आज का विचार

हमेशा उपर वाले का धन्यवाद कीजिए। क्योंकि आपकी जिंदगी दुनिया में लाखों लोगों से बेहतर है।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 93, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

अटारी की 137 किलोमीटर लंबी 121 सड़कों के नवीनीकरण पर 57.80 करोड़ खर्च होंगे: भगवंत मान

अमृतसर के अटारी विधानसभा क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कें शानदार बनेंगी, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रखी आधारशिला

यज्ञांश शर्मा

अटारी (अमृतसर)/चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अमृतसर के अटारी क्षेत्र में एक व्यापक विकास अभियान की शुरूआत करते हुए 137 किलोमीटर लंबी 121 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 57.80 करोड़ रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सीमा के साथ अपनी रणनीतिक स्थिति के बावजूद लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों में अब निवेश, बेहतर संपर्क और नई आर्थिक गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

इस पहल को बेहतर शासन और सीमा सुधारों के साथ रखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार कांटेदार तार को सीमा वाले तरफ करके किसानों के लिए बिना रुकावट खेती हेतु लाखों एकड़ जमीन को खोलने, नशों के खतरे को जड़ से खत्म करने और 2027 में पंजाब को विकास के नाम पर जनादेश स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारी सरकार के सत्ता में आने से पहले पंजाब को काला दौर भी देखना पड़ा, जब नशों के कारोबार ने पंजाब में पैर पसार लिए। सत्ता में बैठे लोगों ने इसे संरक्षण देकर राज्य में नशों के कारोबार को फलने-फूलने के लिए अपने अधिकार का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि काले दिनों के दौरान राज्य सरकार के वाहनों का उपयोग राज्य के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में नशों की सप्लाई के लिए किया जाता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नेताओं ने प्रदेश की तरक्की और खुशहाली को पटरी से उतार कर पंजाब और हमारी युवा पीढ़ियों के रास्ते में कांटे बोए। इन नेताओं के हाथ प्रदेश के खिलाफ इस अपराध से रंगे हुए हैं और इतिहास इन्हें पंजाब की पीठ में छुरा घोंपने के लिए कभी माफ नहीं करेगा। इन पार्टियों ने युवाओं की नसों में नशे का जहर भरकर प्रदेश की पीढ़ियों को तबाह कर दिया, जिसके लिए उन्हें कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह कितनी हास्यास्पद बात है कि जो लोग नशों से पंजाब को तबाह करने के जिम्मेदार हैं, वही लोग अब लोगों को मूर्ख बनाने के लिए झूठे दावे कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इन सरकारों ने कभी प्रदेश और लोगों की परवाह नहीं की, बल्कि सिस्टम को तबाह कर दिया, जिससे युवाओं में विदेश जाकर बसने का रुझान पैदा हुआ। प्रदेश से नशों की कुरीति को जड़ से उखाड़ने के लिए 'आप' सरकार ने कड़े प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि नशों की समस्या प्रदेश पर एक कलंक थी और इस अभिशाप को मिटाने के लिए 'आप' सरकार को रणनीति बनाने में दो साल से अधिक समय लगा।

उन्होंने कहा कि आप सरकार ने 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान शुरू किया, जिसके तहत नशों की सप्लाई लाइन को तोड़कर इस घिनौने अपराध में शामिल तस्करों को सलाखों के पीछे डाला गया। आम लोगों के सक्रिय समर्थन और सहयोग से हर स्तर पर नशों के अभिशाप का सफाया किया जा रहा है और इस अभियान को आम लोगों के सहयोग से जन आंदोलन में बदल दिया गया है। 'आप' सरकार ने इस घिनौने अपराध में शामिल बड़ी मछलियों को सलाखों के पीछे डालकर और नशा तस्करों पर शिकंजा कसकर नशों के कारोबार की रीढ़ तोड़ दी है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली दल की तथाकथित 'पंजाब बचाओ यात्रा' का असली नाम 'परिवार बचाओ यात्रा' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 साल प्रदेश को लूटने के बाद वे पंजाब को किससे बचाने की कोशिश कर रहे हैं? लोगों ने अकालियों को कई बार चुना, लेकिन वे गद्दार साबित हुए और उन्होंने हमेशा प्रदेश और लोगों की पीठ में छुरा घोंपा। जब पूरा किसान समुदाय अपने अधिकारों के लिए लड़ रहा था, तो अकालियों ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में अपनी कुर्सी बचाने के लिए मोदी सरकार के काले कृषि कानूनों पर समर्थन भी किया था।

लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल

विपक्ष के विरोध के चलते संशोधन बिल को नहीं मिला दो तिहाई बहुमत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में शुक्रवार को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका, जिसके चलते यह पारित नहीं हो पाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की कि विधेयक को अपेक्षित बहुमत नहीं मिलने के कारण इसे पारित नहीं माना जा सकता। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मतदान के दौरान विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े, जबकि 230 सदस्यों ने इसका विरोध किया। कुल 528 सांसदों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया और किसी ने भी मतदान से दूरी नहीं बनाई। संविधान के अनुच्छेद 368 के उपबन्धों के अनुसार सभा के कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा और सभा में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा पारित नहीं हुआ।

इस घटनाक्रम के बाद सरकार ने इससे जुड़े दो अन्य विधेयक केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 को भी वापस लेने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि ये तीनों विधेयक आपस में गहराई से जुड़े हुए थे, इसलिए इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

रिजिजू ने विधेयक को महिलाओं को विधायिकाओं में आरक्षण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने महिलाओं को उनका अधिकार देने के प्रयास का समर्थन नहीं किया। विपक्ष ने साथ नहीं दिया बहुत खेद की बात है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि सरकार महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके अधिकारों के मार्ग में कौन बाधा बन रहा है और आने वाले चुनावों में इसका असर दिखाई देगा। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान धर्म-आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देता।

उल्लेखनीय है कि संविधान संशोधन विधेयकों पर ध्वनि मत के बजाय मत विभाजन के जरिए मतदान किया जाता है, जिसमें समर्थन और विरोध के मतों की स्पष्ट गणना होती है।

लोकसभा में राहुल गांधी के बयान पर हंगामा, सत्ता पक्ष ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री के लिए एक शब्द के इस्तेमाल पर सत्ता पक्ष ने तीखी आपत्ति जताई, जिसके चलते सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि यह केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश की जनता का अपमान है। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री को चुनकर इस पद पर बैठाया है और इस तरह की भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाया जाए और उन्हें देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि संसद की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो बातें सार्वजनिक मंचों पर कही जाती हैं, उन्हें उसी रूप में संसद में दोहराना उचित नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी की भाषा पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों ने प्रधानमंत्री को चुना है और इस प्रकार की बयानबाजी लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। विवाद के दौरान राहुल गांधी ने अपने बयान का बचाव करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर सच्चाई सामने लाने की जरूरत है और सरकार देश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए कदम उठा रही है। हालांकि सत्ता पक्ष ने उनके तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह की भाषा और आरोप केवल राजनीतिक लाभ के लिए लगाए जा रहे हैं, जो सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारी : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी (हि.स.)

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी। शिकायतों को सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करें।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी करीब दो सौ लोगों से मिले। उनके पास जा-जाकर उनके प्रार्थना पत्र को अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन किया। जनता दर्शन में अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह शुक्रवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार धन उपलब्ध कराएगी। कुछ महिलाओं ने आवास की समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध कराने को संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी पात्र लोग पक्के आवास की सुविधा से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए।

इंडी गठबंधन अगर-मगर के साथ महिला आरक्षण का कर रहा विरोध: शाह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण से जुड़े तीन विधेयकों पर लोकसभा में हुई चर्चा के जवाब में शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन के घटक दलों के नेता ह्यअगर-मगरह्न के जरिए महिला आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि 130 सदस्यों को बोलने का अवसर दिया गया, जिनमें 56 महिलाएं शामिल थीं। किसी ने भी महिला आरक्षण के संवैधानिक संशोधन का खुलकर विरोध नहीं किया, लेकिन अधिकांश विपक्षी दलों ने ह्यअगर-मगरह्न और ह्यकिंतु-परंतुह्न के जरिए इसे कमजोर करने की कोशिश की।

उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए सीटों में बढ़ोतरी का भी विरोध कर रहे हैं। शाह ने कहा कि संविधान में परिसीमन का प्रावधान इसी उद्देश्य से किया गया है कि जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व संतुलित रहे। तीन विधेयकों के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए गृहमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिला सशक्तीकरण को समयबद्ध तरीके से लागू करना है, ताकि 2029 का लोकसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराया जा सके। उन्होंने ह्यएक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्यह्न के सिद्धांत को संविधान की मूल भावना बताते हुए कहा कि वर्तमान में कई निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में भारी असमानता है, जिससे वोट का मूल्य बराबर नहीं रह जाता।

शाह ने कहा कि देश में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां 20 लाख से अधिक मतदाता हैं, जबकि कुछ जगहों पर यह संख्या 6 लाख के आसपास है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि परिसीमन का समर्थन करें, जिससे सभी निर्वाचन क्षेत्रों में वोट का समान मूल्य सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण का क्रियान्वयन 2026 के बाद होने वाली जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन के बाद ही संभव है। यह प्रावधान पहले से ही कानून में मौजूद है और इसे वर्तमान सरकार ने नहीं जोड़ा है।

घटिया बीज मामले में कंपनी पर एफआईआर, किसानों को मुआवजे के निर्देश: शिवराज

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के धार और खरगोन जिलों के किसानों को घटिया बीज और पौध सामग्री से हुए नुकसान मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार, मध्य प्रदेश के धार और खरगोन के किसान यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और करेला की फसल में भारी नुकसान की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से बीज और पौधे खरीदे थे, लेकिन फसल अपेक्षित उत्पादन नहीं दे सकी। फलों का आकार छोटा रहा, वे पीले पड़ गए और समय से पहले गिरने लगे, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धार जिले के मनावर थाने में 'ननहेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराओं 3 और 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत दर्ज की गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि किसानों को प्रमाणित बताकर निम्न गुणवत्ता वाले बीज और उनसे तैयार पौधे बेचे गए। शिकायत के अनुसार, इससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई। किसानों ने 17 फरवरी 2026 को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने जांच की।

अपनी उत्कृष्ट खेल नीति से हरियाणा बना खेलों का पावर हाउस, जबकि पंजाब आया नशे की गिरफ्त में: नायब सैनी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

- **मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में एलेंजर्स गली क्रिकेट टूनार्मेंट के सीजन-4 का उद्घाटन किया**
- **हरियाणा ने पिछले साढ़े 11 सालों में खेलों पर खर्च किए 1000 करोड़ रुपये**
- **युवाओं को दिलाई 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शपथ**

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अपनी बेहतरीन खेल नीति के चलते आज हरियाणा खेलों का पावर हाउस बन गया है जबकि पड़ोसी राज्य पंजाब नशे की गिरफ्त में है। हरियाणा सरकार ने पिछले साढ़े 11 साल में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित करने पर 1000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जिसके कारण हमारे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का सम्मान और तिरंगे झंडे की शान बढ़ाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित खेल स्टेडियम में एलेंजर्स गली क्रिकेट टूनार्मेंट के सीजन-4 के उद्घाटन अवसर पर उपस्थितगण को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने युवाओं को नशे की लत से बचाने और उन्हें खेल से जोड़ने के लिए इस कार्यक्रम की थीम ह्यबल्ला घुमाओ-नशा भगाओह्न की सराहना की। मुख्यमंत्री ने स्वयं बल्ला घुमाकर नशे की गेंद को भगाया। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाते हुए उनसे नशे की लत से दूर रहने का आह्वान किया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ओलम्पिक-2036 में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जो लक्ष्य रखा है उसमें अपनी भूमिका निभाने के लिए हरियाणा ने अपनी तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। राज्य में खेल सुविधाओं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण व नवीन तकनीकों के उपयोग हेतु हरियाणा सरकार ने 2026-27 के बजट में आवश्यक प्रावधान किए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा विजन हर बच्चे को खेलों से जोड़ने, हर गांव में खेल का मैदान बनाने और आधुनिक तकनीकों को खिलाड़ियों तक पहुंचाने का है। हरियाणा में ओलंपिक, पैरालंपिक व अन्य अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपये तक के नकद इनाम और सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खिलाड़ियों की उड़ानों को नई पहचान देने और उनका सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए हमने 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' लागू किए हैं। इनके तहत खेल विभाग में 550 नए पद सृजित किए गए हैं और 231 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। खेल के दौरान खिलाड़ियों के चोट लगने पर उनके उपचार के लिए ताऊ देवीलाल खेल परिसर, पंचकूला में रिहैबिलिटेशन सेंटर शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के स्कूल और कॉलेजों के जिन विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पदक जीते उनको छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014-15 से अब तक 24 हजार छात्र खिलाड़ियों को 70 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे हार-जीत की भावना से ऊपर उठकर खेल भावना और समर्पण को प्राथमिकता दें। एक खिलाड़ी का मैदान में उतरना, हर रोज कुछ नया सीखना और अपने आप को बेहतर बनाते हुए लक्ष्य के करीब पहुंचना ही सच्ची जीत होती है। उन्होंने कहा कि जब युवा आगे बढ़ता है तभी देश आगे बढ़ता है। जब युवा जीतता है तभी देश जीतता है और जब युवा सही रास्ते पर चलता है तभी देश का भविष्य उज्ज्वल होता है।

इस अवसर पर एलेंजर्स गली क्रिकेट टूनार्मेंट के अध्यक्ष व चंडीगढ़ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजय टंडन, चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, जस्टिस राज मोहन, चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी, चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, चंडीगढ़ पुलिस महानिदेशक डॉ. सागर प्रीत हुड्डा, पुष्पेंद्र व राजीव रंजन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

हिमाचल कैबिनेट के बड़े फैसले, 1500 पदों पर होंगी भर्तियां, फसलों का एमएसपी बढ़ाया

वन विभाग के 10 टेरिटोरियल सर्किलों में 10 लीगल कंसल्टेंट रखने को मंजूरी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत व शहरी निकाय चुनाव से पहले नौकरी का पिटारा खोलते हुए कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने विभिन्न विभागों में 1550 पद भरने समेत कई अहम फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने बजट घोषणाओं को आगे बढ़ाते हुए किसानों, युवाओं, कर्मचारियों और आम लोगों से जुड़े कई निर्णय मंजूर किए।

कैबिनेट ने प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके तहत गेहूं का एमएसपी 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलो, मक्की 40 रुपये से 50 रुपये प्रति किलो, चंबा जिले की पांगी घाटी के जौ का एमएसपी 60 रुपये से 80 रुपये प्रति किलो, कच्ची हल्दी का एमएसपी 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलो कर दिया गया है। वहीं अदरक को 30 रुपये प्रति किलो एमएसपी पर खरीदने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए अलग-अलग जिलों में खरीद केंद्र खोलने की मंजूरी भी दी गई है। युवाओं को रोजगार देने के लिए कैबिनेट ने पुलिस विभाग में 1000 पुलिस कांस्टेबल के पद भरने को मंजूरी दी है। इनमें लगभग 30 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए रखे जाएंगे। इसके अलावा वन विभाग में 500 असिस्टेंट फॉरेस्ट गार्ड के पद भरने का निर्णय लिया गया है, जिनमें 50 प्रतिशत पद वन मित्रों के लिए आरक्षित रहेंगे। राजस्व विभाग के सेवानिवृत्त 8 नायब तहसीलदार, 20 कानूनगो और 44 पटवारियों को निश्चित मानदेय पर वन विभाग में सेवाएं देने के लिए नियुक्त करने का फैसला भी लिया गया है। साथ ही वन विभाग के 10 टेरिटोरियल सर्किलों में 10 लीगल कंसल्टेंट रखने की मंजूरी भी दी गई है। राज्य के नए मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी दूर करने के लिए कैबिनेट ने सेवानिवृत्त मेडिकल प्रोफेसरों को अनुबंध आधार पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार इन प्रोफेसरों को आकर्षक मानदेय दिया जाएगा, जबकि रेडियोलॉजी विशेषज्ञों को इससे अधिक मानदेय देने का प्रावधान रखा गया है, ताकि कॉलेजों में पढ़ाई और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। कैबिनेट ने जिला सिरमौर में जल शक्ति विभाग के डिवीजनों के प्रशासनिक ढांचे को विधानसभा क्षेत्रों के आधार पर पुनर्गठित करने का फैसला भी लिया है, जिससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। सामाजिक सुरक्षा पेंशन समय पर लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए हिमाचल प्रदेश सामाजिक सुरक्षा (पेंशन/भत्ता) नियम, 2010 के नियम 10 (2) और (3) में संशोधन करने को भी मंजूरी दी गई है। सरकार ने फायर एनओसी की प्रक्रिया को सरल बनाने का निर्णय लिया है। इससे होम स्टे मालिकों को राहत मिलेगी और कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही सुरक्षा मानकों को भी मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा राज्य के युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से परमवीर चक्र विजेता ऑनरेरी कैप्टन संजय कुमार की सेवाएं 1 मई 2026 से लेने का फैसला किया गया है।

कैबिनेट ने वर्ष 2006 की जलविद्युत नीति के तहत पात्र स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों को 71 लघु जलविद्युत परियोजनाएं आवंटित करने का निर्णय लिया है। वहीं हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए चार इनोवा वाहन खरीदने को भी मंजूरी दी गई है। इन सभी फैसलों को पंचायत और शहरी निकाय चुनावों से पहले अहम माना जा रहा है।

सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार बने भारतीय ग्रैपलिंग संघ के चेयरमैन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल से राज्यसभा सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार को भारतीय ग्रैपलिंग संघ का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस संबंध में संघ के महासचिव सुबोध कुमार यादव की ओर से आधिकारिक पत्र जारी कर उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। उनकी नियुक्ति को ग्रैपलिंग खेल के विस्तार और संस्थागत मजबूती की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बताया गया है कि भारत में मार्शल आर्ट्स और कुश्ती के आधुनिक रूप के तौर पर पहचान बना रहे ग्रैपलिंग खेल को बढ़ावा देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि सिकंदर कुमार के संघ से जुड़ने से इस खेल को नीतिगत स्तर पर मजबूती मिल सकती है और केंद्र तथा राज्यों से सहयोग बढ़ने की संभावना है। उनके अनुभव का लाभ खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण ढांचा विकसित करने में मिल सकता है। संघ से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि चेयरमैन के रूप में सिकंदर कुमार संघ को रणनीतिक मार्गदर्शन देंगे, जिससे भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और अधिक पदक हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ें।

इससे खिलाड़ियों का मनोबल भी मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। संघ ने अपने संदेश में कहा है कि प्रो. सिकंदर कुमार का सार्वजनिक जीवन का अनुभव और खेलों के प्रति उनकी रुचि संघ के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। उम्मीद जताई गई है कि उनके मार्गदर्शन से जमीनी स्तर पर ग्रैपलिंग खेल को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने के प्रयास भी मजबूत होंगे। उनकी नियुक्ति का हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया है। गौरतलब है कि भारतीय ग्रैपलिंग संघ को विश्व कुश्ती की प्रमुख संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से मान्यता प्राप्त है। खेल जगत में ग्रैपलिंग को भविष्य में संभावित ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने की संभावना के रूप में भी देखा जा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस पद पर उनकी नियुक्ति भारत के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक हो सकती है।

हिम्मत है तो देहरा कैश फॉर वोट के आरोपों की जाँच करवाए मुख्यमंत्री : राजेंद्र राणा

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

अवैध खनन मामले ने अब खुलकर सियासी रंग ले लिया है और बयानबाजी तल्ख होती जा रही है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र राणा ने शुक्रवार को हमीरपुर सदर थाना पहुंचकर आरोपों में घिरे विधायक आशीष शर्मा के चाचा व भाई से मुलाकात की और इसके बाद प्रेस को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला।

राणा ने बिना लाग-लपेट कहा कि प्रदेश की पुलिस अब कानून की नहीं, सरकार की भाषा बोल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी निष्पक्ष जांच छोड़कर सत्ता के इशारों पर कटपुतली बन चुके हैं और राजनीतिक विरोधियों को फंसाने के लिए झूठे मुकदमे गढ़े जा रहे हैं। सुजानपुर के कथित अवैध खनन मामले को लेकर राणा ने सरकार को सीधे कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि एक बंद पड़े स्टोन क्रशर को आधार बनाकर स्क्रिप्टेड केस तैयार किया गया, फर्जी आरोप गढ़े गए और उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया, वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि निशाने पर राजनीतिक विरोधी हैं। राणा यहीं नहीं रुके। उन्होंने मुख्यमंत्री को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर सच में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़नी है तो देहरा उपचुनाव के दौरान कैश फॉर वोट के आरोपों की जांच करवाई जाए। उन्होंने दावा किया कि कांगड़ा बैंक के जरिए महिला मंडलों को अवैध रूप से पैसे बांटे गए, लेकिन सरकार इस पर चुप्पी साधे बैठी है क्योंकि मामला घर के अंदर का है। सरकार पर मित्रों को खुली लूट की छूट देने का आरोप लगाते हुए राणा ने मुख्यमंत्री के एक करीबी सलाहकार की संपत्ति पर भी सवाल उठाए।

पंचायत चुनाव : हिमाचल में जिला परिषद अध्यक्षों का आरक्षण तय 12 जिलों की सूची जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर पंचायतीराज विभाग ने शुक्रवार को जिला परिषद अध्यक्ष पदों का आरक्षण रोस्टर जारी कर दिया है। इसके साथ ही प्रदेश के सभी 12 जिलों में जिला परिषद अध्यक्ष पदों की आरक्षण स्थिति स्पष्ट हो गई है। जारी रोस्टर के अनुसार चार जिलों शिमला, कुल्लू, ऊना और बिलासपुर में जिला परिषद अध्यक्ष पद सामान्य वर्ग के लिए ओपन रखे गए हैं। वहीं हमीरपुर और चंबा जिलों में ये पद सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। सिरमौर और सोलन जिलों में अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किए गए हैं, जबकि मंडी जिले में यह पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए तय किया गया है। इसी तरह किन्नौर जिले में जिला परिषद अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए और लाहौल-स्पीति जिले में अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित रहेगा। कांगड़ा जिले में यह पद अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इस रोस्टर के अनुसार कुल 12 जिलों में से चार जिले सामान्य वर्ग के लिए ओपन, दो जिले सामान्य वर्ग महिला, दो जिले एससी महिला, एक जिला एससी, एक जिला एसटी, एक जिला एसटी महिला और एक जिला ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किए गए हैं।

आईटीआई शाहपुर में 10 करोड़ से बनेगा अत्याधुनिक कार्यशाला भवन : केवल सिंह पठानिया

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

कांगड़ा जिला के आईटीआई शाहपुर में 10 करोड़ रुपये की लागत से एक नया अत्याधुनिक कार्यशाला भवन बनाया जाएगा। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शुक्रवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शाहपुर में 43 लाख रुपये की लागत से निर्मित ड्राफ्टसमैन व्यवसाय के कौशल प्रशिक्षणों के प्रशिक्षण कार्यशाला भवन के लोकार्पण के उपरांत जनसमूह को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में आईटीआई शाहपुर में मशीनरी, नवाचार और अन्य विकास कार्यों पर लगभग 4 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धमार्णी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही यह संभव हो पाया है। विधायक ने जानकारी दी कि नए शैक्षणिक सत्र से आईटीआई शाहपुर में डेयरी टेक्नोलॉजी कोर्स भी शुरू किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे। इसके अतिरिक्त आईटीआई आईएमसी के माध्यम से हाईवे पर 20 दुकानों के निर्माण की योजना भी शीघ्र पूर्ण की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने नगर पंचायत शाहपुर के लिए लगभग 23.50 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई दो कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही 25 नल-जल कर्मियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में नगर पंचायत शाहपुर में 12.73 करोड़ रुपये विभिन्न विकास कार्यों पर खर्च किए गए हैं। कार्यक्रम में आईटीआई के प्रधानाचार्य चैन सिंह ने संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

समर्पण और नियमों की समझ ही सफलता की कुंजीः आचार्य ललित कुमार अवस्थी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी में जूनियर ऑफिस असिस्टेंट के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति

आचार्य ललित कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलसचिव शशि पाल नेगी, वित्त अधिकारी हंस राज सैनी तथा सभी अधिष्ठाता भी विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यशाला की शुरूआत उप कुलसचिव डॉ. योगेश शर्मा ने की। इसके बाद कुलसचिव, वित्त अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नव-नियुक्त कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया।

कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने अपने संबोधन में कर्मचारियों को अनुशासन, समर्पण और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय तेजी से प्रगति कर रहा है और नए कर्मचारियों के जुड़ने से कार्यक्षमता और परिणामों में स्पष्ट सुधार दिखाई देना चाहिए। पहले जहां सीमित नॉन-टीचिंग स्टाफ कार्यरत था, वहीं अब कर्मचारियों की संख्या बढ़ने से कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार की अपेक्षा है।

उन्होंने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया को पार करना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए अपने वर्तमान पद पर उत्कृष्ट प्रदर्शन आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना समयपालन, समर्पण और मेहनत के न तो व्यक्तिगत लक्ष्य पूरे किए जा सकते हैं और न ही संस्था के उद्देश्यों को हासिल किया जा सकता है। कुलपति ने कर्मचारियों को फंडामेंटल रूल्स, सप्लिमेंटरी रूल्स और जीएफआर का गहन अध्ययन करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि सभी प्रशासनिक और वित्तीय कार्य इन नियमों के आधार पर ही होने चाहिए और फाइलों की नोटिंग में संबंधित नियमों का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए, ताकि निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी और सटीक बन सके। उन्होंने यह भी बताया कि कर्मचारियों को विभिन्न विभागों की जानकारी रखना जरूरी है, क्योंकि समय-समय पर विभागीय स्थानांतरण संभव है।

डीएम जम्मू का सख्त आदेश- सोशल मीडिया पर भड़काऊ व फेक कंटेंट पूरी तरह प्रतिबंधित

जम्मू। जिला मजिस्ट्रेट जम्मू डॉ. राकेश मिन्हास द्वारा कानून-व्यवस्था और साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए एक सख्त आदेश जारी किया गया है। आदेश के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भड़काऊ, भ्रामक और फर्जी सामग्री के प्रसार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। आदेश में कहा गया है कि व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स का दुरुपयोग कर सांप्रदायिक तनाव फैलाने, झूठी खबरें फैलाने या भड़काऊ सामग्री साझा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाला कंटेंट पोस्ट/शेयर नहीं करेगा फर्जी या भ्रामक जानकारी प्रसारित नहीं करेगा, मॉर्फ्ड या संदर्भ से हटे वीडियो/तस्वीरें शेयर नहीं करेगा और किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा या बहिष्कार के लिए उकसावे वाले संदेश नहीं फैलाएगा यह आदेश बीएनएसएस 2023 की धारा 163 और आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि शांति और भाईचारे को बनाए रखने में सहयोग करें और केवल सत्यापित जानकारी ही साझा करें।

मंडलांहा में 70 लाख रुपये की लागत से तैयार सड़क पर पहली बार चली बस

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

नाहन विधानसभा क्षेत्र के मंडलांहा क्षेत्र के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा, जब लगभग 3 किलोमीटर लंबी सड़क का विधिवत उद्घाटन किया गया। करीब 70 लाख रुपये की लागत से तैयार इस सड़क पर आज पहली बार परिवहन की बस भी चलाई गई, जिसमें स्वयं विधायक अजय सोलंकी ने सफर कर लोगों के साथ इस खुशी को साझा किया। इसके साथ ही मंडलांहा से डगजार तक बनने वाली लगभग 80 लाख रुपये की लागत वाली सड़क का शिलान्यास भी किया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों को आने वाले समय में बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। विधायक नाहन अजय सोलंकी ने बताया कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि धरातल पर उतरते कार्यों से नजर आता है। उन्होंने सहज शब्दों में कहा कि कुछ लोग आज भी शब्दों की राजनीति में उलझे हुए हैं, जबकि वर्तमान प्रयास सीधे जनता की जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित हैं। विकास कार्यों की इसी कड़ी में काटल से बाया मंडलांहा होते हुए माहीपुर मुख्य सड़क तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 12.50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है। इस कार्य का टेंडर भी शीघ्र जारी किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी।

चिट्टा तस्करी में बैंक अधिकारी गिरफ्तार, सप्लायर भी दबोचा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले में चिट्टा तस्करी से जुड़े एक मामले में पुलिस ने एक बैंक अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने और अंतरराज्यीय नेटवर्क से संपर्क रखने के आरोप हैं। यह गिरफ्तारी थाना जुब्बल में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले की जांच के दौरान की गई है।

पुलिस जानकारी के मुताबिक 16 अप्रैल को जांच के दौरान बैकवर्ड लिंक स्थापित करते हुए 33 वर्षीय तरुण ठाकुर निवासी राजगढ़, जिला सिरमौर को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 29 के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोपी वर्तमान में रोहड़ू स्थित एक राष्ट्रीयकृत बैंक में लोन मैनेजर/फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी चिट्टा (हेरोइन) की खरीद-फरोख्त में सक्रिय रूप से शामिल था और उसका सीधा संपर्क अमृतसर निवासी मुख्य सप्लायर लुकास उर्फ लकी से था। दोनों के बीच ऑनलाइन माध्यम से वित्तीय लेनदेन होने के प्रमाण भी जांच में सामने आए हैं, जिससे इस अवैध नेटवर्क की पुष्टि हुई है। 0पुलिस के अनुसार यह मामला बीते 9 फरवरी को सामने आया था, जब एक स्थानीय महिला को 13.46 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंच बनाई। जांच के दौरान 17 मार्च को बैकवर्ड लिंक के आधार पर मुख्य सप्लायर लुकास उर्फ लकी को गिरफ्तार किया गया।

मौसम | **हिमाचल में फिर बदला मौसम, ऊंची चोटियों पर बर्फबारी**

कई जिलों में ओलावृष्टि-आंधी का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदल गया है। बीती रात से राज्य की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं में हल्की बर्फबारी का दौर जारी है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में रुक-रुक कर हिमपात हो रहा है, जबकि शिमला और मनाली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुबह से बादलों का डेरा बना हुआ है। प्रदेश के कई मध्य और निचले क्षेत्रों में भी कहीं धूप तो कहीं बादल छाए रहने से मौसम में ठंडक महसूस की जा रही है।

मौसम विभाग ने आज कांगड़ा, मंडी, चंबा और कुल्लू जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। वहीं ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर और शिमला जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार 18 और 19 अप्रैल को भी मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम खराब रह सकता है, जबकि 20 अप्रैल को ऊंचे इलाकों में असर बना रहेगा। 21 और 22 अप्रैल को मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन 23 अप्रैल को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फिर मौसम खराब हो सकता है। बीते 24 घंटों के दौरान सलूणी में 3.2 मिलीमीटर और कुकुमसेरी में 1.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार इस बदलाव के कारण आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है और ठंड का असर फिर महसूस हो सकता है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से लगातार साफ मौसम के कारण दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही थी।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश के विभिन्न स्थानों में न्यूनतम तापमान में केलांग 2.5 डिग्री, कुकुमसेरी 3.8 डिग्री, ताबो 5.4 डिग्री, कल्पा 6.6 डिग्री, सराहन 8.3 डिग्री, कुफरी 10.2 डिग्री, सेओबाग 11.4 डिग्री, मनाली 11.9 डिग्री, डलहौजी 12.0 डिग्री, भुंतर 12.6 डिग्री, सोलन 13.0 डिग्री, सुंदरनगर 14.6 डिग्री, बरठीं 14.6 डिग्री, नाहन 15.1 डिग्री, ऊना 15.6 डिग्री, चंबा 15.9 डिग्री, शिमला 16.0 डिग्री, मंडी 16.0 डिग्री, बिलासपुर 17.0 डिग्री, पालमपुर 17.5 डिग्री, जुब्बड़हट्टी 17.6 डिग्री, कांगड़ा 18.7 डिग्री, देहरा गोपीपुर 19.0 डिग्री और पांवटा साहिब 20.0 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के औसत न्यूनतम तापमान में पिछले 24 घंटों के दौरान 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है और यह सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक बना हुआ है। शिमला का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक पहुंच गया है, जो मैदानी इलाकों के बराबर या उनसे भी अधिक दर्ज हो रहा है। वहीं सिरमौर जिले का पांवटा साहिब सबसे गर्म स्थानों में शामिल रहा, जहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

वेदांत कुटीर से निकली भव्य शोभायात्रा, शहर की गलियां भगवा ध्वजों और शंखध्वनि से गुंजायमान

मंडी। देव भूमि छोटी काशी मंडी शहर में शुक्रवार को जगद्गुरु भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। वेदांत कुटीर मंडी में आयोजित इस पांच दिवसीय उत्सव के प्रथम दिन शहर की गलियां भगवा ध्वजों और शंखध्वनि से गुंजायमान हो उठी। कार्यक्रम का शुभारंभ वेदांत कुटीर की संस्थाध्यक्ष साध्वी सेवानंद सरस्वती की अध्यक्षता में हुआ। सुबह मंत्रोच्चारण के बीच जगद्गुरु की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधि-विधान से पूजन किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से पधारे संतों का हार पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह के प्रथम दिवस वेदांत कुटीर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि के साथ निकली यह यात्रा भूतनाथ गली से होते हुए सेरी बाजार पहुंची। इसके अलावा चौहट्टा से होते इंदिरा मार्केट का चक्कर काटते हुए समखेतर बाजार से न्यू विक्टोरिया से पुराने विक्टोरिया से वापिस वेदांत कुटीर में संपन्न हुई। जहां परिसर के मुख्य द्वार पर पुष्प वर्षा कर संगत का स्वागत किया गया। शोभायात्रा के पश्चात संतों और भक्तों के लिए विशेष प्रीति भोज का आयोजन हुआ। वेदांत कुटीर की अध्यक्षा ने बताया कि अन्य दिनों में ज्ञान और भक्ति की गंगा बहती रहेगी। प्रतिदिन एक से चार बजे तक प्रतिदिन कर्मयोग सम्मेलन, भक्तियोग सम्मेलन और सोमवार को ज्ञानयोग सम्मेलन आयोजित होगा। इसके अलावा 21 अप्रैल मंगलवार को मुख्य उत्सव पर संतों के प्रवचन, के बाद दोपहर 1 बजे से भंडारे का आयोजन होगा।

स्वच्छता पखवाड़े का आगाज-अधिकारियों और स्वयंसेवियों ने मिलकर चलाया सफाई अभियान

मंडी। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मंडी जिला के विकास खंड गोहर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। एसडीएम गोहर देवीराम के दिशा-निदेर्शानुसार आयोजित इस अभियान में उपमंडल के समस्त विभागों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। अभियान का मुख्य केंद्र ग्राम पंचायत चच्योट, चैलचौक, नैहरा गणई, बासा और गोहर में व्यापक स्तर पर स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) गोहर देवीराम, खंड विकास अधिकारी डॉ. मनु वर्मा (भा.प्र.से.) और वनमंडलाधिकारी नाचन सुरेंद्र कश्यप ने किया। अधिकारियों ने स्वयं धरातल पर उतरकर साफ-सफाई की और समाज को स्वच्छता का संदेश दिया। संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक और ग्राम रोजगार सेवक, सामाजिक संगठन स्थानीय महिला मण्डल, युवक मण्डल और पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों सहित क्षेत्र के लगभग 200 स्वयंसेवियों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया। अभियान के सुचारू संचालन में स्थानीय व्यापारियों और समाजसेवियों, चैलचौक व्यापार मण्डल के अध्यक्ष राजकुमार, हिल थ्रिल बाढू, साई मैडिकल स्टोर गोहर, समाजसेवी गगन शर्मा, समाजसेवी व व्यापारी जगजीवन सिंह, समृद्धि युवा संगठन बस्सी तथा स्वयंसेवी संस्था भीमा इको ने सफाई दस्ताने, मास्क और कचरा संग्रहण के लिए प्लास्टिक बैग भेंट किए।

बिलावर में डॉ. मनोहर लाल शर्मा ने उठाए बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व जनहित के मुद्दे

कठुआ। पूर्व मंत्री डॉ. मनोहर लाल शर्मा ने बिलावर के धर्मनी स्थित खजूरिया फार्म में आयोजित मासिक जनसभा के दौरान क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि इससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है और पलायन की स्थिति बन रही है।डॉ. शर्मा ने भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। साथ ही नशे की बढ़ती समस्या को समाज के लिए बड़ा खतरा बताया और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई व जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बिलावर को जिला का दर्जा देने, दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि और पेंशन समय पर देने की मांग उठाई। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की भी वकालत की। सभा में कई स्थानीय नेता, पूर्व जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और समावेशी विकास की मांग के साथ हुआ।

भाजपा जिला शिक्षक प्रकोष्ठ की पहली संगठनात्मक बैठक आयोजित

हमीरपुर। शुक्रवार भारतीय जनता पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ की पहली संगठनात्मक बैठक हमीरपुर बस अड्डे के समीप भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक का आयोजन जिला शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक यशबीर जम्वाल की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें जिला के सभी सह-संयोजक, मंडल संयोजक एवं सह-संयोजक, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा भाजपा जिला कार्यालय सचिव होशियार सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पुरुषोत्तम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा संगठन की वैचारिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार है, जो शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक वर्ग न केवल ज्ञान का प्रसार करता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवा पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकोष्ठ के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार और संगठन के समक्ष रखा जा सकता है। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि शिक्षक प्रकोष्ठ संगठन की रीढ़ के समान है, जो पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को बौद्धिक वर्ग तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

संत कबीर जी के विचार आज भी मानवता को सही दिशा दिखाने वाले: सैनी

संत कबीर ने जात-पात, ऊंच-नीच के भेदभाव का दृढ़ता से किया विरोध

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि कबीर दास जी के विचार और शिक्षाएं आज के दौर में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि कबीर जी ने 15वीं शताब्दी में समाज में व्याप्त धार्मिक कट्टरता, पाखंड और भेदभाव के विरुद्ध जो क्रांतिकारी आवाज उठाई थी, वह आज भी समाज को एकता, समरसता और विश्व बंधुत्व का मार्ग दिखाती है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंजाब के मोहाली में संत कबीर जी के जीवन एवं शिक्षाओं पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां संतों की वाणी गूंजती है, वह स्थान केवल सेमिनार नहीं बल्कि सत्संग का रूप ले लेता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और अध्यात्म के माध्यम से शांति का अनुभव होता है।

श्री सैनी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब विश्व विभिन्न प्रकार के तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, ऐसे समय में संत कबीर जी का दर्शन और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उनके विचार मानव समाज के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं, जो शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं।

उन्होंने संत कबीर जी को सच्चा मानवतावादी बताते हुए कहा कि उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और हर प्रकार के भेदभाव का दृढ़ता से विरोध किया। उनकी वाणी की सरलता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी, जो सीधे जन-मानस में उतर जाती थी और आज भी पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को प्रेरित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना संचालित कर रही है। राज्य सरकार संत कबीर जी के समानता और समरसता के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बुजुर्गों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। हाल ही में अंबाला से अयोध्या के लिए विशेष ट्रेन को रवाना किया गया है और आगे भी अन्य तीर्थ स्थलों के लिए यात्राएं आयोजित की जा रही हैं।

इसके अतिरिक्त, स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना के तहत सिख धर्म से जुड़े प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही स्वर्ण जयंती सिंधु दर्शन योजना और कैलाश मानसरोवर यात्रा योजना के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को सहयोग दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर जी ने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में एकता और भाईचारा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उनके विचारों को अपनाकर ही एक समरस और भेदभाव मुक्त समाज का निर्माण संभव है।

उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संतों की वाणी को केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि उसे अपने आचरण में उतारना ही सच्ची श्रद्धा है। मुख्यमंत्री ने संत कबीर दास जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सभी नागरिकों से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

सेमिनार का आयोजन भगत कबीर वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष शर्मा, अमनजोत कौर, डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री, प्रेम सिंह ढिल्लों, सतिंदर सत्ती सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

राजस्व शिकायतों का 48 घंटे में होगा समाधान नागरिक हेल्पडेस्क लॉन्च: डॉ. सुमिता मिश्रा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राजस्व विभाग ने पंजीकरण और अन्य राजस्व सेवाओं से जुड़ी जन शिकायतों के समयबद्ध समाधान के लिए एक समर्पित सिटिजन हेल्पडेस्क शुरू करने की घोषणा की है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शिकायतों के समाधान में होने वाली देरी को खत्म करना, अनियमितताओं पर रोक लगाना और राज्य भर में सरकारी सेवाओं को और अधिक नागरिक-अनुकूल बनाना है।

उन्होंने बताया कि नागरिक हेल्पडेस्क एक सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा, जहां हरियाणा के निवासी तहसीलों में टोकन के अनुमोदन में देरी, ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली में तकनीकी खामियों, पेपरलेस पंजीकरण से जुड़ी समस्याएं, भ्रष्टाचार, अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न या सरकारी सेवाओं, विशेषकर संपत्ति पंजीकरण से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता के बारे में शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नागरिक दो माध्यमों से हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकते हैं-निर्धारित लैंडलाइन नंबर 0172-271-1693 पर कॉल करके या आधिकारिक ईमेल हेल्पडेस्क-आईवी एट एचआरवाई डॉट जीओवी डॉट इन पर लिखकर। यह हेल्पडेस्क सोमवार से शुक्रवार तक सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक संचालित रहेगा। शिकायत दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक ऑटो-जनरेटेड यूनिक शिकायत नंबर भेजा जाएगा। इससे शिकायत की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी और नागरिक बिना बार-बार सरकारी कार्यालय गए अपनी शिकायत की स्थिति जान सकेंगे, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि इस पहल के अंतर्गत निर्धारित समय अवधि में समस्या का समाधान आवश्यक होगा। यदि पंजीकरण टोकन पांच दिनों के भीतर अनुमोदित नहीं होता है, तो नागरिक सीधे हेल्पडेस्क पर मामला उठा सकते हैं। किसी भी चरण में अनावश्यक देरी होने पर टोकन धारकों को तुरंत संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि टोकन अनुमोदित होने के बाद आवेदकों को दस दिनों के भीतर अपॉइंटमेंट बुक करना होगा, अन्यथा सिस्टम द्वारा टोकन स्वतः रद्द कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, यदि अपॉइंटमेंट बुक होने के बाद बीस दिनों के भीतर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो संबंधित टोकन भी स्वतः रद्द हो जाएगा।

कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा हरियाणा द्वारा प्रथम त्रैमासिक पेंशन अदालत का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नियंत्रक संचार लेखा हरियाणा दूरसंचार सर्किल, अंबाला के कार्यालय द्वारा दिनांक 17.04.2026 को कार्यालय महाप्रबंधक, बीएसएनएल, हिसार में प्रथम त्रैमासिक पेंशन अदालत एवं आईडी कार्ड शिविर का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शिल्पी सिन्हा, नियंत्रक संचार लेखा, हरियाणा दूरसंचार सर्किल द्वारा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनरों ने भाग लिया तथा अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान पेंशनरों को सॉफ्टवेर का उमंग ऐप के साथ एकीकरण के बारे में जानकारी दी गई, जिससे वे डिजिटल माध्यम से पेंशन सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। पेंशनरों के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें केसरी अस्पताल,हिसार के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत डॉ. धर्मेन्द्र मनडया द्वारा टीबी जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें रोग की पहचान, रोकथाम एवं उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर वरिष्ठतम पेंशनरों को श्रीमती शिल्पी सिन्हा द्वारा सम्मानित किया गया, जिससे उनके योगदान को सराहा गया। यह आयोजन पेंशनरों के कल्याण, जागरूकता एवं सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा, हरियाणा की एक महत्वपूर्ण पहल है।

जनगणना में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के तबादलों पर रोक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने जनगणना-2027 का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, जनगणना कार्य से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों या तैनाती पर 31 मार्च, 2027 तक रोक लगाने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना-2027 के कार्य में लगाया गया है या जो सीधे संबंधित प्रशासनिक नियंत्रण में आते हैं, उनके स्थानांतरण पर 31 मार्च, 2027 तक रोक लागू रहेगी।

यह आदेश आईएएस/एचसीएस अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, जिला राजस्व अधिकारियों, शिक्षा विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होगा।

राज्य सरकार ने इन आदेशों की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाने और इनका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि जनगणना कार्य के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों की नियुक्ति गई है। इसके तहत मंडल आयुक्तों को मंडल जनगणना अधिकारी, उपायुक्तों को प्रधान जनगणना अधिकारी तथा अतिरिक्त उपायुक्तों और सिटी मजिस्ट्रेटों को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिला स्तर पर जिला सांख्यिकी अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी तथा जिला सूचना अधिकारी को उप जिला जनगणना अधिकारी बनाया गया है।

उपमंडल स्तर पर उपमंडल अधिकारी (नागरिक)/सब डिविजनल मजिस्ट्रेट को उपमंडल जनगणना अधिकारी, तहसीलदारों को चार्ज जनगणना अधिकारी तथा नायब तहसीलदारों को सहायक चार्ज जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नगर निकाय क्षेत्रों में नगर निगम आयुक्तों को प्रधान जनगणना अधिकारी, अतिरिक्त आयुक्तों एवं जिला नगर आयुक्तों को सिटी जनगणना अधिकारी तथा नगर परिषदों/समितियों के सीईओ, कार्यकारी अधिकारियों और सचिवों को चार्ज जनगणना अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि अर्पित की

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज यहां लोक भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने डॉ. राधाकृष्णन को एक प्रख्यात दार्शनिक, विशिष्ट शिक्षक तथा भारत की शिक्षा प्रणाली की नींव को सुदृढ़ बनाने वाली प्रमुख व्यक्तित्व के रूप में याद किया। उन्होंने दर्शन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके चिरस्थायी योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन पूरे देश में विद्यार्थियों और शिक्षकों की पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री विजय कुमार सिद्धाप्पा भाविकट्टी, राज्यपाल के ए डी सी श्री धीरज कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीडीएलयू सिरसा में साइबर सुरक्षा पहलों पर सेमिनार डिजिटल सुरक्षा और दूरसंचार जागरूकता पर जोर

सिरसा। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दूरसंचार विभाग के सहयोग से 16 अप्रैल 2026 को टैगोर भवन, सीडीएलयू, सिरसा में साइबर सुरक्षा एवं पहलें विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के बीच साइबर सुरक्षा, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा दूरसंचार नीति संबंधी प्रमुख पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सेमिनार माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार के संरक्षण में आयोजित किया गया। हरियाणा एलएसए के अतिरिक्त डीजीटी, श्री राधाचरण शाक्य ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. हरीश रोहिल, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग ने की। कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति एवं शैक्षणिक नेतृत्व के साथ संवाद सत्र से हुई, जिसके पश्चात उद्घाटन संबोधन प्रस्तुत किया गया। श्री सचिन लांबा, एडीजी (सुरक्षा) ने साइबर सुरक्षा पर एक विशेष सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने फिशिंग, डिजिटल धोखाधड़ी, पहचान की चोरी तथा सोशल इंजीनियरिंग जैसे उभरते खतरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने व्यावहारिक बचाव उपायों, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार तथा दैनिक डिजिटल गतिविधियों में साइबर स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। इस सत्र में साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांत, सुरक्षित डिजिटल अभ्यास की पहलें एवं नीतियां तथा साइबर खतरों से प्रभावी सुरक्षा जैसे प्रमुख विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा एवं दूरसंचार शासन व्यवस्था की समझ विकसित की। उन्होंने विद्यार्थियों को नौकरी तलाशने के बजाय उद्यमी बनने, नवाचार को आगे बढ़ाने और तकनीकी नेतृत्व की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

शम्भु बने शाहबाद के एसडीएम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एचसीएस अधिकारी श्री शम्भु को तुरन्त प्रभाव से रिक्त पद के समक्ष शाहबाद का उपमंडल अधिकारी (नागरिक) लगाया है।

धीमी खरीद प्रक्रिया से किसानों को हो रही है परेशानी: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- हरियाणा की मंडियों में अव्यवस्था पर कुमारी सैलजा का प्रहार
- खरीद तेज करो, भुगतान तुरंत दो, किसानों को राहत दो

सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा की मंडियों में गेहूं खरीद की धीमी गति, अव्यवस्था और किसानों के लंबित भुगतानों को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मंडियों में गेहूं की रिकॉर्ड आवक के बावजूद खरीद प्रक्रिया अत्यंत धीमी है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर मंडियों में जगह की कमी के कारण गेहूं खुले में सड़कों तक फैल गया है, जो सरकार की तैयारियों की पोल खोलता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि खरीद प्रक्रिया को तुरंत तेज किया जाए ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि मंडियों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए। पर्याप्त स्थान, उठान और भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों की फसल सुरक्षित रह सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो गेहूं खरीदा जा चुका है, उसका लंबित भुगतान तुरंत किसानों के खातों में डाला जाए। भुगतान में देरी किसानों की आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर रही है, जिसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सैलजा ने आरोप लगाया कि डिजिटल सिस्टम का सहारा लेकर किसानों को उलझाया जा रहा है, जबकि जरूरत इस बात की है कि तकनीक को सरल और किसान हितैषी बनाया जाए। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसानों की आवाज को और मजबूती से उठाया जाएगा। महिला आरक्षण पर राजनीति नहीं, अधिकारों की बात हो सांसद सैलजा ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी का रुख हमेशा स्पष्ट, सकारात्मक और महिलाओं के अधिकारों के पक्ष में रहा है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाने का प्रयास पहले भी कांग्रेस सरकारों ने किया था और जब इसे संसद में प्रस्तुत किया गया, तो सभी दलों द्वारा सर्वसम्मति से पारित होना इस बात का प्रमाण है कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि देश की महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का विषय है। सैलजा ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज जिस तरीके से इस मुद्दे को प्रस्तुत किया जा रहा है, उससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है। महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण है। किसानों के साथ किए गए वादों का हाल देश देख चुका है और अब महिला आरक्षण को भी केवल गारंटी के नाम पर प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि असल जरूरत इसे ईमानदारी से लागू करने की है।

दूरसंचार विभाग, हरियाणा एलएसए ने फतेहाबाद, हरियाणा में साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराध को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
फतेहाबाद

दूरसंचार विभाग (डीओटी), हरियाणा एलएसए ने फतेहाबाद पुलिस के साथ समन्वय से पुलिस लाइंस, फतेहाबाद में एक उच्च प्रभाव वाले संवाद-सह-जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। हरियाणा एलएसए के अपर महानिदेशक दूरसंचार श्री राधाचरण शाक्य और फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक सुश्री निकिता खट्टर ने संयुक्त रूप से बैठक की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में जिले भर के पुलिस अधिकारियों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) सहित लगभग 100 लोगों ने भाग लिया। फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दूरसंचार विभाग की पहल की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान डिजिटल युग में धोखेबाजों द्वारा उत्पन्न खतरों से निपटने के लिए साइबर अपराध को प्रभावी ढंग से रोकने और उस पर अंकुश लगाने के लिए सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता है। हरियाणा एलएसए के अपर महानिदेशक ने राष्ट्र निर्माण और माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सुरक्षित संचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी और दूरसंचार सेवाओं के बढ़ते दुर्स्पयोग के खतरे को रेखांकित किया, सभी हितधारकों द्वारा सतर्कता और सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग की विभिन्न नई पहलों पर प्रकाश डाला और दूरसंचार विभाग की प्रक्रियाओं के पालन पर जोर दिया, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपाय: चोरी/दुरुपयोग किए गए उपकरणों का पता लगाने के लिए केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) का उपयोग, नागरिक केंद्रित दूरसंचार सुरक्षा सेवाओं के लिए संचार साथी पोर्टल, साइबर अपराध पैटर्न की पहचान करने के लिए आई4सी और एनसीआरबी के साथ सहयोग, संदिग्ध लेन-देन को चिह्नित करने के लिए बैंकों के साथ वित्तीय जोखिम संकेतक (एफआरआई) का विकास

नागरिक जागरूकता और रिपोर्टिंग तंत्र: साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग के लिए 1930 हेल्पलाइन, सुरक्षित बैंकिंग संचार के लिए 1600 श्रृंखला नंबरों पर जागरूकता

संचार साथी पहल का प्रदर्शन किया गया: चक्षु - संदिग्ध कॉल/संदेशों की रिपोर्ट करना, खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें, किसी के नाम पर जारी किए गए मोबाइल कनेक्शनों को जानें, अपने मोबाइल हैंडसेट को जानें, रिकविन - अंतर्राष्ट्रीय कॉल पर नजर रखना, सिम जारी करने के दिशानिर्देश: कार्यक्रम में सिम अधिग्रहण प्रक्रिया को भी शामिल किया गया, जिसमें दुरुपयोग को रोकने के लिए ऑपरेटरों के लिए आवश्यक सावधानियों पर जोर दिया गया।

जनगणना 2027: हरियाणा सचिवालय में राज्य के अधिकारियों के लिए स्वगणना कार्यशाला का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राज्य जनगणना संचालन निदेशालय के निदेशक डॉ. ललित जैन के मार्गदर्शन में आज हरियाणा के मुख्य सचिवालय तथा और नए सचिवालय में राज्य के अधिकारियों के लिए एक सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वगणना) कार्यशाला हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता हरियाणा की विशेष सचिव, रेवेन्यू, श्रीमती हेमा शर्मा ने की। सेशन के दौरान, हरियाणा जनगणना निदेशालय के अधिकारियों ने भागीदारों को जनगणना 2027 के तहत सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रोसेस के बारे में बताया और ऑफिशियल पोर्टल के जरिए स्वगणना विवरण ऑनलाइन दर्ज करने के बारे में समझाया।

कार्यशाला में, राज्य के अधिकारियों ने सक्रियता से भाग लिया और मौके पर ही अपना सेल्फ-एन्यूमरेशन भी पूरा किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विभागों को जनगणना डिजिटल प्रकिया से परिचित कराना और हरियाणा में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 तक चलने वाले पहले चरण को सफलता पूर्ण पूरा करने के लिए सुविधाजनक बनाना था। अधिकारियों को डेटा सिक्योरिटी उपायों के बारे में भी बताया गया, जिसमें सारी जानकारी मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के प्रोटेक्टेड सर्वर पर स्टोर की जाती है और इसका इस्तेमाल सिर्फ.आंकड़े एकत्रित करने के लिए किया जाता है।

एफसीआर डॉ. सुमिता मिश्रा ने बरवाला अनाज मंडी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, किसानों को 72 घंटे में भुगतान के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज रबी सीजन 2026झ27 के तहत गेहूं खरीद और उठान (लिफ्टिंग) कार्यों की समीक्षा के लिए बरवाला अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों और आढ़तियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी विस्तृत आकलन किया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, एसडीएम कालका श्री संयम गर्ग, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक श्री जतिन मित्तल तथा मंडी सचिव श्री सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

डॉ. मिश्रा ने मंडी में गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली की जांच की तथा गेहूं की बोरियों का वजन भी क्रॉस चेक किया, जो संतोषजनक पाया गया। उन्होंने अधिकारियों से गेहूं की आवक, खरीद और उठान से संबंधित विस्तृत जानकारी ली और किसानों व आढ़तियों से सीधे संवाद कर उनका फीडबैक भी प्राप्त किया।

उन्होंने किसानों और मजदूरों के लिए स्थापित अटल कैंटीन का निरीक्षण कर मात्र 10 रुपये में उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का आकलन भी किया। उन्होंने आम नागरिक की तरह कैंटीन में भोजन किया और उसका भुगतान भी किया। उन्होंने कैंटीन संचालकों की भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सराहना की।

इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि अब तक मंडी में 1.56 लाख क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की गई है, जिसमें से 1.27 लाख क्विंटल की खरीद की जा चुकी है, जबकि 46,700 क्विंटल गेहूं का उठान हो चुका है। उन्होंने कहा कि खरीद और उठान दोनों कार्य सुचारू रूप से चल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि किसानों और आढ़तियों को आसानी से वेरिफिकेशन पूरा करने में मदद करने के लिए मंडी में कई जगहों पर बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा, भीड़भाड़ से बचाव के लिए गेट पास जारी करने हेतु कई मोबाइल प्वाइंट भी स्थापित किए गए हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि मंडी में किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी गई फसल का भुगतान 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने बताया कि बरवाला मंडी में गेहूं की खरीद हैफेड और हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉपोरेशन द्वारा की जा रही है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगले सप्ताह तक उठान 80 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। इसके उपरांत, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहीं डॉ. सुमिता मिश्रा ने बरवाला के गांव बतौर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढल्ड) का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने डॉक्टरों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या की समीक्षा की। साथ ही, दवाओं के स्टॉक की जांच करते हुए निर्देश दिए कि आवश्यक दवाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। इमरजेंसी वार्ड का इंस्पेक्शन करते समय, उन्होंने कहा कि मरीजों के लिए एक अलग एंट्री का रास्ता बनाया जाए ताकि वे आसानी से आ-जा सकें और उन्हें कोई परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जनरल ओपीडी, आयुर्वेदिक ओपीडी, नर्सिंग स्टेशन, लेबर रूम और डेंटल ओपीडी का निरीक्षण कर मरीजों, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से भी संवाद किया।

संपादकीय

बंगाल की निर्णायक लड़ाई: टीएमसी की संकरी बढ़त और भाजपा का उभरता दम

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से भारतीय लोकतंत्र के मानचित्र पर एक विशेष स्थान रखती है। यह वह भूमि है जहाँ वामपंथ ने दशकों तक राज किया, जहाँ ममता बनर्जी ने एक असाधारण संघर्ष के बाद सत्ता हासिल की और जहाँ भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के बाद से अपनी जड़ें तेजी से फैलाई हैं। अब 2026 के विधानसभा चुनाव की बेला आ चुकी है और राज्य एक बार फिर देश की राजनीतिक निगाहों के केंद्र में है। 23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026 को दो चरणों में होने वाले इन चुनावों के नतीजे 4 मई को आएंगे। इस पृष्ठभूमि में जो ओपिनियन पोल सामने आए हैं, वे बेहद रोचक और विचारोत्तेजक तस्वीर पेश करते हैं। शुरुआती ओपिनियन पोल संकेत देते हैं कि टीएमसी फिलहाल आगे है और यह मुकाबला मुख्य रूप से द्विध्रुवीय है - एक तरफ तृणमूल कांग्रेस, दूसरी तरफ भाजपा। वामपंथी दल और कांग्रेस केवल सीमित समर्थन हासिल कर पा रहे हैं। लेकिन यह बढ़त जितनी दिखती है, उतनी सहज नहीं है। मैट्रिज संस्था के सर्वे के अनुसार, वोट शेयर में टीएमसी को 43 प्रतिशत मिलने का अनुमान है जबकि भाजपा गठबंधन को 41 प्रतिशत। यह महज दो प्रतिशत का अंतर है, जो यह बताता है कि मुकाबला कितना कांटे का होने वाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मतदाताओं की भावनाओं में छोटी सी भी तब्दीली अंतिम परिणाम को पूरी तरह बदल सकती है। सीटों के अनुमान की बात करें तो यही सर्वे टीएमसी को 140 से 160 सीटें और भाजपा गठबंधन को 130 से 150 सीटें दे रहा है - यानी 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 है और दोनों दल उसके आसपास हैं। यह स्थिति किसी एक पार्टी के लिए पूर्ण बहुमत की गारंटी नहीं देती। हालाँकि एक अन्य सर्वे - वोटवाइब का - कुछ अलग तस्वीर पेश करता है। वोटवाइब और सीएनएक्स-न्यूज18 के संयुक्त सर्वे के अनुसार टीएमसी को 184 से 194 सीटें और भाजपा को 98 से 108 सीटें मिल सकती हैं। इसमें टीएमसी का वोट शेयर 41.9 प्रतिशत और भाजपा का 34.9 प्रतिशत आंका गया है। इस सर्वे के अनुसार टीएमसी की स्थिति कहीं ज्यादा मजबूत दिखती है। चुनाव में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होती है और इस पैमाने पर ममता बनर्जी स्पष्ट रूप से आगे हैं। 48.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पसंद बताया, जबकि भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी को 33.4 प्रतिशत समर्थन मिला। ममता की लोकप्रियता और जनता से सीधा जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी बनी हुई है। सर्वे में यह भी सामने आया कि 36.5 प्रतिशत मतदाता अपने मौजूदा टीएमसी विधायक को दोबारा वोट देने के इच्छुक हैं। यह सत्ताधारी दल के लिए एक सकारात्मक संकेत है, भले ही शासन को लेकर जनमत विभाजित हो। टीएमसी की असली चुनौती यह नहीं है कि उसे कितना समर्थन मिल रहा है, बल्कि यह है कि वह समर्थन किन वर्गों तक सीमित है। मुस्लिम मतदाताओं में टीएमसी को लेकर संतुष्टि बहुत अधिक है, जबकि अनुसूचित जाति के मतदाताओं में असंतोष साफ दिखता है। युवा मतदाता कम आश्वस्त हैं और बुजुर्ग मतदाता ज्यादा समर्थक हैं। इस प्रकार यह समर्थन आधार व्यापक नहीं बल्कि कुछ विशेष समूहों तक केंद्रित है। जब कोई दल केवल चुनिंदा वर्गों पर निर्भर हो जाता है, तो उसकी चुनावी स्थिरता कमजोर पड़ सकती है। राज्य सरकार के काम के मूल्यांकन में भी जनमत बंटा हुआ है। लगभग 43.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सरकार के प्रदर्शन को 'अच्छा' या 'बहुत अच्छा' बताया, लेकिन 20.6 प्रतिशत ने इसे 'बहुत खराब' और 18.3 प्रतिशत ने 'खराब' करार दिया। यह आंकड़ा बताता है कि लंबे शासन के बाद सत्ता-विरोधी लहर की एक परत जरूर मौजूद है। भाजपा के लिए यह चुनाव एक बड़े अवसर की तरह है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 77 सीटें जीती थीं, जो 2016 की मात्र तीन सीटों से एक बड़ी छलांग थी। अब पार्टी उससे कहीं आगे जाने का सपना देख रही है। लेकिन रास्ते में कई अड़चनें भी हैं। सर्वे में भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी के रूप में आंतरिक कलह को 19.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने चिह्नित किया। 17.2 प्रतिशत ने कहा कि पार्टी के पास राज्य स्तर पर कोई मजबूत नेता नहीं है और 12.5 प्रतिशत का मानना है कि भाजपा बंगाल की सांस्कृतिक पहचान से कटी हुई है। बंगाल में 'बाहरी' की छवि भाजपा के लिए हमेशा से एक राजनीतिक बाधा रही है। फिर भी भाजपा के लिए उत्साहजनक बात यह है कि वोट शेयर में वह तेजी से आगे बढ़ रही है। केंद्र सरकार की योजनाएं, हिंदू एकजुटता का भाव, बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ का मुद्दा और टीएमसी पर भ्रष्टाचार के आरोप - ये सभी मिलकर भाजपा के पक्ष में एक अनुकूल वातावरण बना रहे हैं। ओपिनियन पोल यह भी बताते हैं कि बंगाल के मतदाताओं के मन में कौन से सवाल सबसे ऊपर हैं। बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, महंगाई और भ्रष्टाचार प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं। टीएमसी सरकार ने लक्ष्मीर भंडार, किसान सहायता और आवास योजनाओं जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों के जरिए एक मजबूत वोट बेस बनाया है, लेकिन रोजगार के मोर्चे पर सरकार की आलोचना लगातार होती रही है। बंगाल का यह चुनाव केवल एक राज्य की सत्ता का फैसला नहीं है - यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। मौजूदा सर्वे एक करीबी मुकाबले की तस्वीर पेश करते हैं, न कि किसी एक पार्टी की एकतरफा जीत की। टीएमसी के पास नेतृत्व, संगठन और कल्याण योजनाओं का मजबूत आधार है, जबकि भाजपा के पास मोदी फैक्टर, हिंदू एकजुटता और सत्ता-विरोधी लहर का लाभ है। अंत में, ओपिनियन पोल केवल एक अनुमान होते हैं - जनता के मन की पूरी थाह वे नहीं ले पाते। असली फैसला बूथ पर होगा। बंगाल की जनता एक बार फिर यह तय करेगी कि 'माँ, माटी, मानुष' की राजनीति आगे बढ़ेगी या 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा बंगाल की धरती पर नई इबारत लिखेगा।

अंतरिक्ष में भारत का अगला कदम अब कुछ ही दूर है!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है, जहां उसके सपने उपग्रह प्रक्षेपण या चंद्रमा-मंगल तक सीमित नहीं रह गए हैं, लक्ष्य है; अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना बनाना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा प्रस्तावित 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' (बीएएस) इसी महत्वाकांक्षा का प्रतीक है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां वह उपग्रह प्रक्षेपण और चंद्र मिशनों के आगे मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में उड़ान भरने को उद्यत है, इसलिए भारत आज इसके अगले चरण स्वदेशी स्पेस स्टेशन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज के अनुसार, भारत इसके लिए रूस के दशकों पुराने अनुभव का लाभ उठाना चाहता है। विशेष रूप से कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। निश्चित ही यह सहयोग विज्ञान में सामरिक और दीर्घकालिक साझेदारी का संकेत भी है।

कोई प्रश्न खड़ा कर सकता है कि रूस का सहयोग ही क्यों लेना? तब इसका सीधा उत्तर यह है कि भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का इतिहास अत्यंत समृद्ध और भरोसेमंद रहा है। वर्ष 1975 में भारत का पहला उपग्रह आर्यभट सोवियत संघ की सहायता से ही प्रक्षेपित किया गया था। इसके बाद 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में भी सोवियत संघ (अब रूस) ने अहम भूमिका निभाई थी। यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण था।

इसके अलावा क्रायोजेनिक इंजन तकनीक के विकास में रूस का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान में चल रहे गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (व्योमयानियों) के प्रशिक्षण में भी रूस की भूमिका निर्णायक रही है। यह दीर्घकालिक सहयोग अब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन परियोजना के माध्यम से एक नए आयाम में प्रवेश कर सकता है।

फिलहाल इसरो की योजना के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन वर्ष 2035 तक तैयार हो जाएगा। इसे पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह संरचना काफी हद तक रूस के प्रस्तावित रशियन ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) के समान होगी। क्योंकि इस ऊंचाई और झुकाव का चयन वैज्ञानिक अनुसंधान, पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष प्रयोगों के लिए उपयुक्त माना जाता है।

यहां सबसे अधिक इस सफलता के साथ जुड़ी अच्छी बात यह है कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' का निर्माण भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जिनके पास अपना स्वतंत्र मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन हैं। वर्तमान में चीन के पास ही सक्रिय मानवयुक्त स्पेस स्टेशन है, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों की आवश्यकता और सहयोग के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

यहां उल्लेखित यह भी है कि इसरो का गगनयान मिशन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन के सफल होने के बाद 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना को और गति मिलेगी। गगनयान, 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के लिए एक आधार तैयार करेगा, जहां भारत मानव जीवन समर्थन प्रणाली, अंतरिक्ष में दीर्घकालिक निवास और वैज्ञानिक प्रयोगों का अनुभव प्राप्त करेगा।

वर्तमान समय में निश्चित ही यह हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों ने वैश्विक स्तर पर अपनी विश्वसनीयता सिद्ध की है। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना दिया। इससे पहले मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहली ही कोशिश में पहुंचने वाला पहला देश बना दिया था। वस्तुतः इन मिशनों ने न सिर्फ भारत की वैज्ञानिक क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले अंतरिक्ष कार्यक्रमों का एक वैश्विक मॉडल भी प्रस्तुत किया। यही दक्षता 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यहां इसकी चर्चा भी आवश्यक है क इसरो ने अपने प्रक्षेपण यानों के क्षेत्र में भी व्यापक प्रगति की है। जीएसएलवी एमके कक्क (अब एलवीएम3) भारत का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जिसका उपयोग गगनयान मिशन में किया जाएगा।

इसके अलावा पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) ने विश्वसनीयता का एक नया मानक स्थापित किया है और यह विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भी एक प्रमुख माध्यम बन चुका है। इतना ही नहीं भारत अब निजी क्षेत्र को भी अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल कर रहा है, जिससे नवाचार और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन-स्पेस और एनएसआईएल जैसे संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ऐसे में स्वभाविक है कि इसरो की उपलब्धियां देश के युवाओं में विज्ञान और तकनीक के प्रति गहरी रुचि पैदा कर रही हैं। चंद्रयान और मंगलयान जैसी सफलताओं ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। अब 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' परियोजना भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

आज का राशिफल

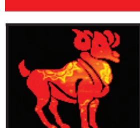
मेष: योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

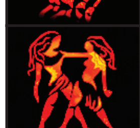
मिथुन: लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। बुरी संगति से बचे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। *(सिटी दर्पण)*

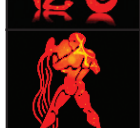
कुंभ: जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीन: मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। *(सिटी दर्पण)*

नए भारत की एमएसएमई क्रांति के केंद्र में है नारी शक्ति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम का सितंबर 2023 में संसद में समर्थन करते हुए विश्वास व्यक्त किया था कि भारत तभी आगे बढ़ सकता जब देश की नारियां भी इसके साथ ही उन्नति करें। उनका यह विश्वास एमएसएमई क्षेत्र (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) में सरकार के काम में हर रोज दिखाई देता है।

एमएसएमई क्षेत्र को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। लेकिन अगर गहराई से देखें तो इसके दिल में महिला उद्यमियों का मूक बल बसता है। आखिरकार आज इस मूक बल को वह राष्ट्रीय मान्यता, संस्थागत समर्थन और नीतिगत गति मिल रही है जिसका वह हमेशा से हकदार है।

आँकड़े बयां करते हैं कहानी

भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम में महिलाओं की भागीदारी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। 2026 की शुरूआत तक, 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' और 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' पर 3.11 करोड़ से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम पंजीकृत हुए हैं। वास्तव में, 'उद्यम' और 'उद्यम असिस्ट' पंजीकरण के अनुसार, देश के कुल पंजीकृत एमएसएमई में महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है और ये रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिला उद्यमियों के लिए सबसे प्रभावशाली सुधारों में से एक 'उद्यम पंजीकरण पोर्टल' के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। पूरी तरह से ऑनलाइन, कागज रहित और स्व-घोषणा पर आधारित इस व्यवस्था ने उस नौकरशाही बाधा को समाप्त कर दिया, जो महिलाओं के लिए एक बड़ी रुकावट बनी हुई थी। जनवरी 2023 में शुरू किए गए 'उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म' ने अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत उन महिलाओं तक पहुँच बनाकर इस दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया, जिनके पास 'पैन' नंबर या 'जीएसटीएन' नहीं था। इसने उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र में दिए जाने वाले ऋण और सरकारी योजनाओं के लाभों के दायरे में लाने का काम किया।

सरकार ने महिलाओं को विकास वाहक के रूप में अपने आर्थिक एजेंडे के केंद्र में रखने का निर्णय लिया है।

आर्थिक शक्ति के रूप में 'नारी शक्ति'

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय रणनीति है। उन्होंने ही कहा था कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार सशक्त होते हैं और जब परिवार सशक्त होते हैं, तो राष्ट्र निरंतर मजबूत होता जाता है।

शोभा करंदलाजे

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' राजनीतिक क्षेत्र में इस दर्शन की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में, विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक व्यापक और बहुआयामी नीतिगत ढांचे के रूप में सामने आई है, जो ऋण, कौशल, बाजार तक पहुंच, पहचान और गरिमा जैसे पहलुओं को समाहित करती है।

महिलाओं के लिए तैयार की गई एक नीतिगत संरचना

एमएसएमई मंत्रालय ने अपने हर बड़े कार्यक्रम और योजना में महिलाओं के सशक्तिकरण को व्यवस्थित रूप से शामिल किया है।

ये सभी मिलकर, आपूर्ति पक्ष पर आठ मुख्य श्रेणियों के माध्यम से उद्यमियों को सहायता प्रदान करते हैं: तकनीक तक पहुँच, ऋण और वित्त तक पहुँच, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, अवसरंचना सहायता, औपचारिकीकरण और समावेशन, बाजार तक पहुँच, और उद्योग-स्तरीय कौशल विकास।

पिछले पाँच वर्षों में, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 3.2 लाख से ज्यादा महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को सहायता दी गई है। हाल के आँकड़ों के अनुसार, पीएमईजीपी के कुल लाभार्थियों में से 39% महिलाएँ हैं जो इस योजना की रूपरेखा और महिलाओं की कुछ कर दिखाने की ललक, दोनों को दर्शाता है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट महिला ऋणदाताओं को 90 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ गारंटी कवर प्रदान करता है। इससे बैंक बिना कुछ गिरवी रखे महिलाओं को ऋण देने के लिए तैयार हैं।

इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक खरीद नीति में संशोधन कर यह अनिवार्य किया गया कि केंद्रीय मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपनी वार्षिक खरीद का कम से कम 3 प्रतिशत हिस्सा महिला-स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से ही खरीदें। इससे महिला उद्यमियों के लिए एक सुनिश्चित और अनुमानित बाजार तैयार होता है, जिससे सरकारी खर्च को महिलाओं के व्यवसाय की वृद्धि में बदला जा रहा है। यह देखकर खुशी होती है कि वित्त वर्ष 2025-26 में, केंद्रीय मंत्रालयों /विभागों /केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा की गई कुल खरीद का 3.5 प्रतिशत हिस्सा महिला एमएसएमई से ही खरीदा गया था।

'जेडइडी' **(जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट)** प्रमाणन योजना के तहत, महिला-स्वामित्व वाले एमएसएमई को प्रमाणन शुल्क पर सौ प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। ये विस्तृत विवरण काफी महत्वपूर्ण हैं और ये मंत्रालय के प्रयासों को दर्शाते हैं। मंत्रालय ने इस बारे में गहराई से विचार किया है कि महिलाओं को कहाँ कहाँ बाधाओं का सामना करना पड़ता है और ठीक उन्हीं बाधाओं को दूर करने के लक्ष्य के साथ सहायता दी गई।

'महिला कॉयर योजना', के तहत कॉयर क्षेत्र में काम करने वाली महिला कारीगरों को विशेष कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। 'एमएसएमई- व्यापार सशक्तिकरण और विपणन' के तहत महिलाओं को मार्केटिंग के लिए मदद करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5 लाख लाभार्थियों में से 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। 'यशस्विनी अभियान' में, एमएसएमई योजनाओं और पंजीकरण से मिलने वाले लाभों के बारे में महिलाओं को जानकारी देने के लिए पूरे देश में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से महिला उद्यमियों के लिए आयोजित 'एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन' 3.0 के तहत 18,888 से अधिक आइडिया प्राप्त हुए, जो स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि महिलाओं में रचनात्मक और उद्यमशीलता की ऊर्जा का भंडार मौजूद है, जो बस बाहर आने का इंतजार कर रहा है।

इसके अलावा, मंत्रालय के पास एक समर्पित महिला उद्यमिता प्रकोष्ठ है, जो विभिन्न योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करके, महिलाओं के लिए प्राप्त परिणामों की निगरानी और मूल्यांकन करके, तथा इकोसिस्टम के हितधारकों के साथ जुड़कर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करता है।

इन सभी पहलों ने जेंडर टारगेटिंग (लैंगिक लक्ष्यीकरण) और अभिसरण पर ध्यान केंद्रित किया है। ये कदम योजनाओं के भीतर केवल एक सब्सिडी प्रावधान के रूप में 'महिलाओं के समावेश' से आगे बढ़कर, महिला-अनुकूल उद्यमिता सहायता के लिए एक अधिक सुविचारित और व्यापक ढांचे की ओर बढ़ने के सफर को दर्शाते हैं।

कौशल, आत्मविश्वास, समुदाय

क्रेडिट और बाजारों से परे, सरकार ने यह माना है कि उद्यमिता कौशल और आत्मविश्वास का भी विषय है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, जहाँ महिलाएँ पारंपरिक रूप से अपने समाज की आर्थिक रीढ़ रही हैं, लक्षित उद्यमिता विकास कार्यक्रमों ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रशिक्षित प्रतिभागियों में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक हो।

स्वयं सहायता समूहों को एमएसएमई सहायता तंत्रों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे महिला उद्यमियों के ऐसे समुदाय बने हैं जो एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। वे न केवल अपना व्यवसाय खड़ा करते हैं, बल्कि आपस में जुड़कर एक मजबूत नेटवर्क भी तैयार करते हैं।

यह एक ऐसी सरकार है जो निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रत्येक बजट, प्रत्येक योजना और प्रत्येक पोर्टल का सरलीकरण उस विशाल इमारत की एक ईंट के समान है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री मोदी ने एक सरल, किंतु क्रांतिकारी विचार के साथ रखी थी—कि भारत की महिलाएं एक ऐसी शक्ति हैं जिन्हें अब स्वतंत्र और सशक्त होने का अवसर मिलना चाहिए।

हर उद्यम में 'नारी शक्ति' की भावना

नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने दुनिया को बताया कि भारत की महिलाएँ यहाँ की संसद का हिस्सा हैं। इस सरकार की एमएसएमई नीतियां दुनिया को यह बता रही हैं कि भारत की महिलाएँ देश के बाजारों, कारखानों, उसकी निर्यात श्रृंखलाओं, उसके नवाचार केंद्रों और उसके बोर्डरूम्स की भी हकदार हैं।

ये उसी एक सत्य की अभिव्यक्तियाँ हैं, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक 'विकसित भारत' के अपने विजन का आधार बनाया है। एक विकसित भारत वह भारत है, जहाँ 3 करोड़ से भी ज्यादा महिला उद्यमी (और यह संख्या लगातार बढ़ रही है) विकास की असली ताकत हैं।

अभी हम उस लक्ष्य तक पूरी तरह नहीं पहुँचे हैं, लेकिन इस सरकार की देखरेख में और प्रधानमंत्री के पक्के इरादों के साथ, हम यकीनन उस राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

(लेखिका केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।)

भारतीय दर्शन और मानसिक स्वास्थ्य

डॉ. शिवानी कटारा (हि.स)

मानसिक स्वास्थ्यता क्या है? भारतीय दर्शन में मानसिक स्वास्थ्यता का मूल तत्व 'धृति' माना गया है और धर्म के दस लक्षणों में प्रथम कहा गया है, मनुस्मृति

धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः ।
धीर्विद्या सत्यमार्जवमिति धर्मस्य लक्षणम् ॥

अर्थात् – 'धैर्य (धृति), क्षमा, दमन (संयम), अस्तेय, शौच, इन्द्रियनिग्रह, धी, विद्या, सत्य और आर्जव – यही धर्म के स्वरूप हैं।'

धृति केवल साधारण धैर्य नहीं, बल्कि जीवन की रीढ़ है। आज आधुनिक मस्तिष्क-विज्ञान और सकारात्मक मनोविज्ञान इसी धृति को नए नामों में पहचान रहे हैं – मानसिक लचीलापन, भावनात्मक स्थिरता, आत्म-नियंत्रण और आंतरिक शक्ति। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2022) के अनुसार, जिन लोगों में मानसिक सहनशक्ति अधिक होती है, उनमें तनाव हार्मोन का स्तर कम और हृदय की लय में विविधता बेहतर होती है – यह मन और शरीर के संतुलन का संकेत है।

धृतिवान व्यक्ति वह है जो हर परिस्थिति में भावनात्मक स्थिरता बनाए रखता है, धैर्य और संयम से निर्णय लेता है, निराशा में भी आशा देखता है, और क्षणिक आवेगों पर नियंत्रण रखकर अपने मूल्यों पर अडिग रहता है। इसका अभाव ही आज के अधिकांश मानसिक विकारों – क्रोध संबंधी समस्या, आवेगशीलता, चिंता और निर्णय थकान – की जड़ है। अतः वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य केवल दवाओं या परामर्शों से नहीं, बल्कि भीतर की धृति' के विकास से जन्म लेता है – और इसकी शुरूआत होती है आहार से।

आहार अनुशासन और मानसिक स्वास्थ्य

भारतीय दर्शन कहता है – 'जैसा अन्न, वैसा मन।' और छांदोग्य उपनिषद् में उल्लेख है – 'आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः,' अर्थात जब भोजन शुद्ध होता है, तब मन और बुद्धि भी निर्मल हो जाते हैं। भोजन केवल पेट भरने का नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को संतुलित करने का माध्यम है। सात्त्विक भोजन–ताजा, हल्का और पौष्टिक–मन को शांत व स्थिर बनाता है, जबकि तला-भुना व प्रसंस्कृत भोजन चिड़चिड़ापन बढ़ाता है। भोजन का तरीका भी महत्वपूर्ण है–धीरे, सजगता और कृतज्ञता के साथ खाना मन को संतुलित करता है, जिसे आधुनिक विज्ञान में 'माइंडफुल ईटिंग' कहा जाता है।

विज्ञान अब मानता है कि हमारे पेट और दिमाग का गहरा संबंध है – जिसे आंत-मस्तिष्क संबंध कहा जाता है। हमारी आँतों में रहने वाले सूक्ष्म जीव सेरोटोनिन जैसे रसायन बनाते हैं, जो हमारे मनोभाव यानी खुशी और तनाव को नियंत्रित करते हैं। अगर आहार अस्वस्थ है, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे चिंता, अवसाद और थकान बढ़ती है। हार्वर्ड पब्लिक हेल्थ (2024) के अध्ययन के अनुसार, जो लोग अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाते हैं, उनमें अवसाद का जोखिम 35% अधिक होता है।

ध्यान, भक्ति, प्राणायाम और जप

ये सभी केवल धार्मिक साधन नहीं, बल्कि तनाव का जैविक शुद्धिकरण हैं। आधुनिक विज्ञान बताता है कि लगातार तनाव से मस्तिष्क का भय और चिंता नियंत्रक भाग अत्यधिक सक्रिय हो जाता है, जबकि निर्णय और भावनात्मक संतुलन केंद्र की कार्यक्षमता घटती है। परिणामस्वरूप, चिंता, भय और अवसाद अब हर उम्र में सामान्य हो गए हैं।

लेकिन जहाँ विज्ञान कारण बताता है, वहीं अध्यात्म समाधान देता है। नियमित ध्यान से सुख हार्मोन तथा स्नेह हार्मोन बढ़ते हैं – जिससे व्यक्ति में शांति, करुणा और आत्म-नियंत्रण स्वाभाविक रूप से विकसित होता है। मस्तिष्क स्कैन अध्ययनों में पाया गया कि ध्यान करने वालों में शांति तरंगें और गहरी विश्रांति तरंगें अधिक सक्रिय होती हैं। भारतीय दर्शन कहता है – 'योगः चित्तवृत्ति निरोधः,' अर्थात जब मन की चंचलता थमती है, तभी सच्चा योग और वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

अध्यात्म केवल ध्यान नहीं, बल्कि भक्ति का भी विज्ञान है। जब व्यक्ति यह समझता है कि सब कुछ उसके नियंत्रण में नहीं, और वह किसी विराट शक्ति का अंश है – तब मन में समर्पण का भाव आता है, जो तनाव को पिघला देता है। जैसा कहा गया है – 'जो हुआ अच्छा हुआ, जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, जो होगा अच्छा ही होगा।' यह कोई साधारण वाक्य नहीं, बल्कि मानसिक पुनर्व्यवस्था का सिद्धांत है – जब हम जीवन को नियंत्रण नहीं, बल्कि स्वीकार्यता से देखते हैं, तब मन हल्का हो जाता है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं – 'तुम्हारा युद्ध दूसरों से नहीं, अपने ही संदेह से है।' यानी आत्म-संघर्ष ही सबसे बड़ा युद्ध है। आत्म-स्वीकृति केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि मस्तिष्कीय पुनर्संरचना की प्रक्रिया है। यह आत्म-प्रशंसा नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार है – 'मैं पूर्ण नहीं, पर अपूर्ण भी अस्वीकार्य नहीं।'

श्वास, जो मन की धड़कन समान है, प्राणायाम के माध्यम से संयमित होती है। यह केवल श्वास-प्रश्वास का अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन-ऊर्जा को संतुलित करने की प्रक्रिया है। अध्यात्म में 'प्राण' शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाला सेतु माना गया है। वैज्ञानिक दृष्टि से प्राणायाम रक्त में ऑक्सीजन बढ़ाकर स्वायत्त तंत्रिका तंत्र को संतुलित करता है और तनाव घटाता है। इसी प्रकार मंत्र-जप, विशेषकर ॐ का उच्चारण, मस्तिष्क में लयबद्ध शांति उत्पन्न करता है। यह वेगस तंत्रिका को सक्रिय कर गहरी विश्रांति, बेहतर एकाग्रता और संतुलित नींद में सहायक होता है।

मनुष्य जैसा संग रखे, वैसा बने

जैसे लोहे का टुकड़ा चुंबक के पास रहकर खुद चुंबकीय हो जाता है, वैसे ही हम भी अपने आस-पास के लोगों से ऊर्जा, दृष्टिकोण और संस्कार ग्रहण करते हैं। तुलसीदास जी ने कहा, 'सत्संगति जो देई सुमति सोई।' अर्थात – अच्छे संग से ही शुभ विचारों की प्राप्ति होती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार हमारे मस्तिष्क में प्रतिबिंब कोशिकाएँ होती हैं – जो सामने वाले की भावनाएँ देखकर वैसी ही अनुभूति जगाती हैं। इसलिए सकारात्मक संगति मन को शांत करती है, जबकि नकारात्मक संगति तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ाती है। इसे भावनात्मक संक्रमण कहा जाता है, जिसे सेवा अपने उच्चतर स्वरूप में पवित्र कर देती है – जहाँ दूसरों के दुःख से जुड़कर मन उदासी नहीं, बल्कि करुणा का स्रोत बन जाता है।

युवा और ब्रह्मचर्य

भारत आज अश्लील सामग्री देखने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जहाँ लगभग 70% दर्शक 18-34 वर्ष के बीच हैं। इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी दिख रहा है – महिलाओं के प्रति असम्मान, विवाहेतर संबंधों में वृद्धि और बलात्कार जैसे अपराधों में बढ़ोतरी। अश्लील सामग्री देखने से आनंद हार्मोन का अत्यधिक स्राव होता है, जिससे मस्तिष्क कृत्रिम सुख का आदी बन जाता है। धीरे-धीरे व्यक्ति भावनात्मक थकान और असंतोष का अनुभव करने लगता है. NIMH (2022) के अनुसार, जिन परिवारों में खुला संवाद और स्नेहपूर्ण माहौल होता है, वहाँ युवाओं में आत्म-नियंत्रण अधिक पाई। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में– ब्रह्मचर्य केवल काम-त्याग नहीं, बल्कि ऊर्जा के पुनर्निर्देशन की प्रक्रिया है।

गीता (6.16-17) में श्रीकृष्ण कहते हैं –

'युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।'

अर्थात् – 'जो व्यक्ति अपने आहार-विहार और कर्मों में संयमित है, वही जीवन में स्थिरता प्राप्त करता है।' Standford Neuroscience (2017) के अनुसार, ब्रह्मचर्य से मानसिक स्पष्टता, एकाग्रता और इच्छाशक्ति बढ़ती है। परंतु इसका सबसे गहरा अर्थ आत्म-स्वीकृति में निहित है – जब युवा यह समझता है कि उसकी ऊर्जा अपराध नहीं, बल्कि सृजन का स्रोत है, तब वह अपराधबोध से मुक्त होकर सजगता की ओर बढ़ता है।

आधुनिक युग में 'धृति' ही मानसिक स्वास्थ्य का मर्म है, जो संगति से दिशा, सेवा से उद्देश्य, संवाद से सहारा, और संयम से गरिमा पाकर धीरे-धीरे संवर्धित होती है – और अंततः व्यक्ति को आत्मिक स्थिरता, मानसिक पुष्टता और जीवन-संतुलन प्रदान करती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब में ई.डी. के माध्यम से भाजपा का चुनावी खेल जारी तीन दिनों में दो आप नेताओं के घरों पर छापे: भगवंत मान

भाजपा को बताना चाहिए कि पिछले छापों में क्या मिला; जैसे पहले कुछ नहीं मिला, वैसा अब भी कुछ नहीं मिलेगा: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि पिछले तीन दिनों में दो आप नेताओं के घरों पर इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) के छापों से भाजपा, पंजाब में चुनावी अभियान शुरू करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि 117 उम्मीदवार नहीं ढूंढ पाने वाली पार्टी जनता का समर्थन हासिल करने की बजाय डर फैलाने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि विरोधी सरकारों को रोके गए फंडों, राज्यपालों, ई.डी., सी.बी.आई. और चुनाव आयोग के माध्यम से तंग किया जा रहा है, जबकि भाजपा में शामिल होने वाले नेता इसकी वॉशिंग मशीन से साफ निकलते हैं। उन्होंने कहा कि आप नहीं डरेगी, पंजाबी अपनी गर्दन कटा सकते हैं लेकिन डर के आगे कभी नहीं झुकेंगे। उन्होंने भाजपा को छापों और दबाव की चालों पर भरोसा करने की बजाय लोगों के बीच काम करके 2027 की तैयारी करने की सलाह दी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारे देश को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है। यहां लोग अपनी पसंद की सरकार चुनते हैं। यह केंद्र सरकार का फर्ज है कि वह हर राज्य को राजनीति और पार्टी लाइन से ऊपर उठकर उसका हक दे, लेकिन पिछले कुछ समय से हम देख रहे हैं कि लोकतंत्र का धीरे-धीरे गला घोंटा जा रहा है। सारी गैर-भाजपा सरकारों को या तो सीधे केंद्र के फंड रोके जा रहे हैं या राज्यपालों के माध्यम से परेशान किया जा रहा है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप को खास तौर पर इसलिए निशाना बनाया गया है क्योंकि यह एक ऐसी पार्टी है जो बहुत तेजी से बढ़ रही है। यह सिर्फ दस सालों में राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। भाजपा सोचती है कि वह कांग्रेस से सुलझ सकती है और वह कई बार कांग्रेस से हाथ भी मिला चुकी है, लेकिन वह नहीं चाहती कि कोई तीसरी ताकत उभरे।

उन्होंने कहा, इस प्रक्रिया के तहत उन्होंने दिल्ली में हमारे नेताओं के खिलाफ झूठे ई.डी. केस दर्ज किए, जैसे शराब घोटाले के मामले में केस दर्ज कर-के हमारे सीनियर नेताओं को जेल भेज दिया गया। उस समय के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ जेल भेज दिया गया। हमारे राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जेल भेज दिया गया। जिस किसी ने भी काम करके दिखाया, चाहे वह वर्कर हो या नीति-निमार्ता, सबको जेल भेज दिया गया, धमकियां दी गईं, डराया गया और भाजपा में शामिल होने या नतीजे भुगतने का डर दिखाया गया। डराने और धमकाने की यह राजनीति जारी है।

देश भर में एक स्पष्ट पैटर्न दिखाते हुए उन्होंने कहा, बंगाल में डी.जी.पी. से लेकर अधिकारियों तक को बदल दिया गया है क्योंकि चुनाव आ रहे हैं। वे लोगों के माध्यम से चुनाव नहीं जीतते। वे ई.डी., सी.बी.आई., चुनाव आयोग और डराने-धमकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य विभागों के माध्यम से चुनाव जीतते हैं। कुछ दिन पहले ई.डी. ने आप के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के घर छापा मारा, जो लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी चलाते हैं, जहां लगभग चार हजार छात्र पढ़ते हैं। 35 से अधिक देशों के छात्र वहां पढ़ने आते हैं, लेकिन वे आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य होने के कारण अचानक दागी हो गए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज मंत्री संजीव अरोड़ा के घर ई.डी. की छापेमारी चल रही है। उन्होंने लुधियाना उपचुनाव में भाजपा को बुरी तरह हराया था। इसलिए आज वे भी भाजपा के अनुसार दागी हो गए हैं। इसका मतलब है कि भाजपा ने 2027 की विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। ई.डी. भेजो, आयकर भेजो, नोटिस भेजो, डर पैदा करो क्योंकि उन्हें चुनाव लड़ने के लिए 117 नेता भी नहीं मिल रहे। भाजपा को 117 उम्मीदवार नहीं मिल रहे, इसलिए वे कह रहे हैं कि या तो डर-डर कर चुनाव लड़ो या हमारी वॉशिंग मशीन से बेदाग होकर निकलो।

उन्होंने आगे कहा, यह बहुत ही खतरनाक रुझान है। लोकतंत्र का कत्ल किया जा रहा है। हम इसकी सख्त निंदा करते हैं। सिर्फ गैर-भाजपा सरकारों को ही तंग किया जा रहा है। सिर्फ विपक्षी नेताओं को ई.डी. की लाठी का सामना करना पड़ता है और इसमें से कुछ भी नहीं निकलता। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ इतना झूठा केस दर्ज किया गया था, जिसमें अदालत ने माना कि केस चलाने लायक नहीं है। लेकिन वे कहते हैं कि पहले इन्हें जेल में डालो, चुनाव होने दो, फिर देखेंगे।

राजनीतिक हमला जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा, अगर कोई उनके आगे झुकता है और उनकी शर्तें स्वीकार करता है तो वह वॉशिंग मशीन से बेदाग होकर बाहर आ जाता है। उसके सारे दाग गायब हो जाते हैं। क्या यह लोकतंत्र है? यह खुल्लमखुल्ला तानाशाही है।

भाजपा की बिहार लीडरशिप के बारे में उन्होंने कहा, उन्होंने अब सम्राट चौधरी को बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया है। उनके खिलाफ सात हत्याओं के मामले दर्ज हैं। वे जेल जा चुके हैं। उन्होंने गलत उम्र लिखवाई और तीन बार अपनी जन्मतिथि बदली। ये वे लोग हैं जो जंगल राज की बातें करते रहते थे, लेकिन अब बिहार में कैसा राज आ गया है? अब यह भाजपा के नेतृत्व वाला जंगल अच्छा है, जैसा उनका विज्ञापन कहता है कि दाग अच्छे हैं। इसलिए भाजपा द्वारा दिए गए दाग अच्छे माने जाते हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और राजनीतिक असुरक्षा के कारण विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी छापों या धमकियों से नहीं डरेगी और कोई भी दबाव आप के इरादे को नहीं हिला सकता। वे हमें जितना मर्जी परेशान करें। उन्हें ई.डी., सी.बी.आई. या उनके पास जो भी एजेंसियां हैं, भेजने दें, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं।

पंजाब में भाजपा की संगठनात्मक कमजोरी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी राज्य में कोई असली आधार बनाने में नाकाम रही है। अब भाजपा जोर-जबरदस्ती और दल-बदल के माध्यम से विस्तार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, पंजाब में उन्हें एक या दो विधानसभा सीटें मिलती हैं। इस संख्या को बढ़ाने के लिए वे अब ई.डी. का सहारा ले रहे हैं। भाजपा का पंजाब में कोई कैडर नहीं है, कोई नेता नहीं है। इसलिए जहां भी उन्हें कांग्रेस या अकाली दल से कोई नेता मिलता है, उसे भाजपा ले जाती है। भाजपा ने पंजाब में कांग्रेस विंग बना रखा है। ज्यादातर कांग्रेसियों के खिलाफ केस चलते हैं, जिन्हें डरा कर फाइलें दिखाकर भाजपा में शामिल कर लिया जाता है। क्या यह लोकतंत्र है?

- पंजाब देख रहा है कि सत्ता के लिए भाजपा किस हद तक गिर गई है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- भाजपा को ई.डी., सी.बी.आई. और चुनाव आयोग को नौकरी पर रखकर पंजाब में चुनाव जीतने का सपना देखना बंद कर देना चाहिए; पंजाबी सिर कटा सकते हैं लेकिन वे कभी भी डर के आगे नहीं झुकेंगे: मुख्यमंत्री
- भाजपा पंजाब में 117 उम्मीदवार नहीं ढूंढ सकी, इसलिए वह ई.डी. के माध्यम से डरा कर आप नेताओं को तोड़ना चाहती है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- मोदी सरकार सिर्फ चुनाव जीतने के लिए फंड रोककर और राज्यपालों का दुरुपयोग करके विरोधी दलों वाले राज्यों को परेशान करती है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

शासन की प्राथमिकताओं के बारे में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को बदले की राजनीति की बजाय बेरोजगारी दूर करने, स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारने तथा बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। उन्होंने कहा, उन्हें इस बात पर ध्यान देना चाहिए था कि करोड़ों युवाओं को नौकरियां कैसे मिलें, अच्छे स्कूल कैसे बनाए जा सकें, अस्पताल बेहतर इलाज कैसे प्रदान कर सकें और लोगों को एल.पी.जी. तथा पेट्रोलियम की कीमतों के बोझ से कैसे मुक्त किया जा सके। इसके बजाय मोदी का ध्यान किसी की सुरक्षा घटाने, किसी की सुरक्षा बढ़ाने, ई.डी. और सी.बी.आई. को इधर-उधर भेजने पर है। क्या सरकारें इस तरह चलाई जाती हैं? सरकार कहीं और से चलाई जा रही है। आदेश वाशिंगटन और व्हाइट हाउस से आते हैं। वे विश्व गुरु बनना चाहते थे लेकिन हम विश्व चेला बन गए हैं।

आलोचना जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप नेताओं को बार-बार जेल भेजा गया है, भले ही कोई गलत काम साबित न हुआ हो। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी के लगभग 90 फीसदी नेताओं को जेल का मुंह दिखाया गया, भले ही उन्होंने कुछ नहीं किया। ई.डी., सी.बी.आई. और चुनाव आयोग के इस हथियार से देखो बंगाल में क्या हो रहा है। हड़बड़ी है और एक राजनीतिक पार्टी को धमकाया जा रहा है। इसका मतलब है कौन जीतेगा? सब कुछ भाजपा के हिसाब से हो रहा है।

भाजपा के बड़े मंसूबों के बारे में उन्होंने खुलासा किया कि पार्टी किसी भी कीमत पर सत्ता चाहती है और जिन राज्यों में इसे समर्थन नहीं मिल रहा, वहां कब्जा करने के लिए संस्थाओं और नियमों को तोड़ने-मरोड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, वे बंगाल, केरल और तमिलनाडु पर कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए उन्हें हदबंदी करनी पड़े या जो भी लालच देना पड़े, वे सिर्फ सत्ता हथियाना चाहते हैं।

लोकतंत्र को खुद दबाव में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पार्टी स्तर से ऊपर उठकर नागरिकों को संवैधानिक कदरों-कीमतों की रक्षा करनी पड़ेगी और उन कुर्बानियों को याद रखना पड़ेगा, जिनसे देश का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा, शहीदों ने अपना खून देकर हमें यह देश दिया। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद, करतार सिंह सराभा, मदन लाल ढींगरा, लाला लाजपत राय ने देश के लिए कुर्बानियां दीं। 19 साल, 22 साल या 23 साल की उम्र में देशभक्तों ने फांसी के फंदे चूम लिए।

उन्होंने जोर देकर कहा, क्या आज के हालात देखकर इन देशभक्तों की आत्मा को शांति मिलेगी? उन्होंने अपना सब कुछ कुर्बान करके हमें यह देश दिया, सिर्फ इसलिए कि आज इसे सिर्फ दो लोग चलाएं। पहले हम हम दो, हमारे दो का नारा सुनते थे। यह परिवार भलाई के लिए था लेकिन अब यह शासन का मॉडल बन गया है। आज भी यह हम दो, हमारे दो है। अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और उनके आगे उनके दो अंबानी और अडानी हैं। यह सरकार इसी फॉमूर्ले पर चल रही है, जबकि 140 करोड़ लोगों को किस्मत के सहारे छोड़ दिया गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केंद्र चुनी हुई राज्य सरकारों के रास्ते रोककर और देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाकर संवैधानिक पदों का दुरुपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, राज्यपालों को राजनीति तक सीमित कर दिया गया है। वे सालों से बिल रोककर बैठे हैं। राज्यों को अपने अधिकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट करने के बाद भी कि राज्यपाल और राष्ट्रपति अनिश्चितकाल के लिए बिलों को नहीं रोक सकते, मामलों को ठंडे बस्ते में धकेल दिया गया। जजों का तबादला किया जाता है, उनकी फाइलें बाहर निकाली जाती हैं। सवाल यह है कि क्या वे किसी को बख्शेंगे या नहीं। हमने सुना था कि उत्तर कोरिया और रूस में कोई तानाशाह खुद को सालों के लिए शासक घोषित कर लेता है, लेकिन यहां भी किसी और रूप में यही कुछ हो रहा है।

चुनावों पर चिंताएं जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि विपक्ष की वोटों को निशाना बनाया जा रहा है और हेराफेरी की जा रही है। उन्होंने कहा, एस.आई.आर. के माध्यम से असली वोटों को काटा जा रहा है। उन्होंने हर गली और इलाके में पन्ना प्रधान और पन्ना प्रमुख बनाए हैं। वे पहचान करते हैं कि कौन सा घर भाजपा का समर्थन करता है, कौन सा आम आदमी पार्टी का और कौन सा कांग्रेस का, फिर विपक्ष की वोटों को निशाना बनाया जाता है और नई वोटें बनाई जाती हैं। एक ही वोटर कई राज्यों में वोट डाल रहा है। एक तरफ वे कहते हैं कि एक राष्ट्र, एक चुनाव हो लेकिन जब दो राज्यों में चुनाव होते हैं तो एक हफ्ते का फर्क होता है। अगर देश में काफी सुरक्षा बल हैं तो फर्क क्यों है? पहले एक जगह वोट डाली जाती है, फिर लोगों को वाहनों और रेलगाड़ियों में दूसरी जगह ले जाया जाता है। क्या यह लोकतंत्र है? यह नई किस्म का लोकतंत्र है।

उन्होंने कहा कि जिन मूल्यों के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जानें दी, उनके साथ धोखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह वह लोकतंत्र नहीं है जिसका हमारे शहीदों ने सपना देखा था, वह लोकतंत्र जिसके लिए लाला लाजपत राय ने लाठियां खाईं और भगत सिंह ने फांसी का फंदा चूमा। भाजपाईयों ने कोई कुबार्नी नहीं दी, फिर भी अब वे संविधान को बदलते रहना चाहते हैं। उन्हें 360 सीटें दे दो और वे संविधान से कुछ भी कर लेंगे। ऐसे बिल आते रहते हैं। ऐसा लगता है कि वे 24 घंटे सिर्फ यही सोचते हैं कि लोकतंत्र को कैसे कमजोर किया जाए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि विपक्षी पार्टियों, खासकर आप को जांच एजेंसियों के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है लेकिन उन्हें डराया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल हमारे जनरल हैं। हम उनसे डरने या घबराने वाले नहीं हैं। उन्हें ई.डी., सी.बी.आई. या कोई भी विभाग भेजने दें। हम हर हिसाब देंगे। जिस पल कोई आम आदमी पार्टी या किसी अन्य विपक्षी पार्टी में होता है, वह भ्रष्ट हो जाता है। जिस समय कोई बहुत ज्यादा भ्रष्ट भाजपा में शामिल हो जाता है, वह दूध-धुला बन जाता है। भाजपा की वॉशिंग मशीन राजनीति आखिरकार ढह जाएगी। यह वॉशिंग मशीन ज्यादा देर तक नहीं चलेगी। अगर आप बार-बार मशीन में मैले कपड़े डालते रहोगे तो एक दिन इसका फिल्टर भी जाम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि इतिहास ने बार-बार दिखाया है कि घमंड पतन की ओर ले जाता है। सिकंदर जीतता रहा और भूल गया कि वापस कैसे लौटना है। ये छापे कायरतापूर्ण कार्य हैं। पुराने आरोपों को बार-बार वापस लाया जाता है। हम इन छापों की सख्त निंदा करते हैं। हम सच्चाई के साथ खड़े हैं और सच्चाई को खत्म नहीं किया जा सकता।

उन्होंने हमेशा मोदी का गुणगान करते रहने के लिए मीडिया के एक हिस्से की आलोचना की। उन्होंने कहा, हर चीज एक मास्टर स्ट्रोक बन जाती है। मनरेगा हटाओ, मास्टर स्ट्रोक।

महिला आरक्षण को हमारा पूरा समर्थन, लेकिन केंद्र द्वारा यह सिर्फ चुनावी ड्रामा रचा जा रहा है: मीत हेयर

चंडीगढ़/नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल को हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा इसे लाने की मंशा और समय पर उन्होंने शंका जताते हुए इसे राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से उठाया गया कदम बताया। साथ ही उन्होंने परिसीमन बिल का सख्त विरोध करते हुए चेतावनी दी कि यह पंजाब जैसे राज्यों के संघीय ढांचे को तोड़कर उनके प्रतिनिधित्व को और कमजोर कर सकता है। संसद में देर रात हुई बहस को संबोधित करते हुए आप के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि हम महिला आरक्षण बिल का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन इसके पीछे केंद्र सरकार की मंशा गंभीर शंकाएं खड़ी करती है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके और समय पर यह बिल लाया गया है, उससे पता लगता है कि इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम की बजाय राजनीतिक लाभ की कोशिश के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। आप सांसद ने आगे कहा कि अगर केंद्र सरकार का इरादा साफ और सही होता तो वह इस बिल को 2023 में ही पास कर सकती थी। उस समय केंद्र द्वारा यह दलील दी गई थी कि यह बिल जनगणना के बाद लाया जाएगा, लेकिन अब भी यह बिल उसी समय लाया गया है, जब जनगणना का काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है, जो केंद्र की संदिग्ध पहुँच की ओर इशारा करता है।

परिसीमन बिल का सख्त विरोध करते हुए गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह परिसीमन बिल राज्यों के राजनीतिक संतुलन पर बुरा प्रभाव डाल सकता है, जिससे पंजाब जैसे छोटे राज्यों का प्रतिनिधित्व और कम हो जाएगा, जबकि ज्यादा आबादी वाले राज्यों को इसका काफी लाभ होगा, जो छोटे और बड़े राज्यों के बीच असमानताओं को और गहरा करेगा। उन्होंने पंजाब से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को उजागर करते हुए कहा कि आजादी से पहले और बाद में पंजाब से किए गए वादे अभी तक अधूरे हैं। पंजाब को विशेष दर्जा देने की बजाय, राज्य के फंड रोके जा रहे हैं और बीबीएमबी पर भी राज्य के अधिकारों को लगातार खोखला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कम प्रतिनिधित्व के कारण पंजाब के साथ पहले ही सौतेली मां वाला सलूक होता रहा है और यह परिसीमन इस स्थिति को और भी बिगाड़ देगा। अन्य देशों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में सभी राज्यों को बराबर अधिकार मिल रहे हैं, इसे ध्यान में रखते हुए भारत को भी ऐसे ढांचे की ओर बढ़ना चाहिए जहां आबादी को देखे बिना हर राज्य के साथ निष्पक्षता और बराबरी से पेश आया जाए।

कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने एस.ए.एस. नगर में रंगला पंजाब विकास ग्रांटों की प्रगति की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला साहिबजादा अजीत सिंह नगर में "रंगला पंजाब" मिशन के तहत लगभग 8.47 करोड़ रुपये की लागत से 174 विकास कार्य प्रगति पर हैं। यह जानकारी कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आज संबंधित अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दी। इस अवसर पर पंजाब यूथ डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन श्री परमिंदर सिंह गोल्डी तथा जिला योजना समिति की चेयरपर्सन इंजी. प्रभजोत कौर भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किए जाएं। डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने बताया कि कुल 174 कार्यों में से 45 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2.5-2.5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त किश्त प्राप्त हो चुकी है।

मोहाली, खरड़, डेराबस्सी और बनूड़ क्षेत्रों में चल रहे इन विकास कार्यों में कम्युनिटी सेंटर, पंचायत घर, धर्मशालाएं, खेल मैदान, गलियां, ड्रेनेज सिस्टम, श्मशान घाटों की चारदीवारी, गांवों के प्रवेश द्वार, डिस्पेंसरी की मरम्मत, स्कूल कक्षों का निर्माण, सोलर लाइटों की स्थापना तथा कच्चे मकानों को पक्के मकानों में परिवर्तित करना शामिल है। मंत्री ने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को निरंतर सुदृढ़ कर रही है, जिसमें सड़क नेटवर्क, नहरी सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस दौरान "युद्ध नशेयां विरुद्ध" अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई, जो "रंगला पंजाब" मिशन का एक अहम हिस्सा है। एस.पी. (पीबीआई) दीपिका सिंह और एस.पी. (मुख्यालय) श्री मोहित अग्रवाल ने बताया कि लगभग 333 गांवों/वार्डों में रक्षा समितियां सक्रिय रूप से लोगों को जागरूक कर रही हैं। इसके अतिरिक्त नशा प्रभावित क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा नशा मुक्ति केंद्रों के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों का उपचार भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

बैठक में अन्य अधिकारियों में नगर निगम मोहाली के कमिश्नर श्री संदीप सिंह गाढ़ा, एडीसी (ग्रामीण विकास) सोनम चौधरी, डिप्टी इकोनॉमिक एंड स्टैटिस्टिकल एडवाइजर गुरमिंदर कौर तथा खरड़, डेराबस्सी और माजरी के बीडीपीओ भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

शिवालिक पब्लिक स्कूल दसवीं कक्षा की छात्रा सराह अलिया नाहर ने 94.8% अंक प्राप्त कर स्कूल और परिवार का नाम किया रोशन

चंडीगढ़। शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए मोहाली स्थित शिवालिक पब्लिक स्कूल दसवीं कक्षा की छात्रा सराह अलिया नाहर ने शानदार परिणाम से अपने स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। जिसने 94.8% स्कोर प्राप्त किए हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को दशार्ती है बल्कि स्कूल द्वारा प्रदान किए गए मजबूत शैक्षणिक माहौल और मार्गदर्शन को भी प्रतिबीबित करती है।

होशियारपुर में अस्पताल ले जाते समय एक कैदी की मौत, जांच के आदेश

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में केंद्रीय कारागार में बंद एक कैदी की शुक्रवार को अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान अमन लोई के रूप में हुई है, जो होशियारपुर के रविदास नगर इलाके का निवासी था। कारागार प्रशासन के अनुसार, लोई भारतीय दंड संहिता की धारा 376-डी (सामूहिक दुष्कर्म) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दर्ज एक मामले में 10 साल कैद की सजा काट रहा था और पैरोल अवधि पूरी करने के बाद बृहस्पतिवार शाम को जेल वापस लौटा था। केंद्रीय कारागार के अधीक्षक सतनाम सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह लोई ने घबराहट की शिकायत की, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। प्राथमिक तौर पर मौत का कारण दिल का दौरा माना जा रहा है।

ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने गवर्निंग बॉडी चुनावों की घोषणा की

चंडीगढ़। ब्रिक्स चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) ने शासी निकाय की 53वीं बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के बाद वर्ष 2026-29 के लिए अपने आगामी शासी निकाय चुनावों को कराने की औपचारिक घोषणा की है। यह निर्णय, लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और मजबूत संस्थागत शासन को लेकर इस चैंबर की सतत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। ये चुनाव इस संगठन के स्थापित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार कराए जाएंगे। ब्रिक्स सीसीआई अपने आंतरिक शासन की रूपरेखा को निरंतर मजबूत करते हुए ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए सतत रूप से समर्पित है।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष 26 के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए

चंडीगढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जो भारत में बिल्डिंग मटीरियल की एक अग्रणी कंपनी है, ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए। कंपनी वडराज सीमेंट की फैसिलिटीज में प्रोजेक्ट को पूरा करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है, यहां क्लिंकर और ग्राइंडिंग यूनिट्स को चालू करने की योजना वित्तवर्ष 27 की तीसरी तिमाही से शुरू होकर अलग-अलग चरणों में पूरी की जाएगी। इसके साथ ही, पूर्वी क्षेत्र में वित्तवर्ष 28 तक अलग-अलग चरणों में 4 एमएमटीपीए क्षमता विस्तार की योजना है और वह भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस विस्तार के बाद न्युवोको की कुल सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़कर लगभग 35 एमएमटीपीए हो जाएगी। कंपनी के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, श्री जयकुमार कृष्णास्वामी, मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ने कहा कि वित्तवर्ष 26 न्युवोको के लिए एक निर्णायक साल है, जिसकी खासियत है बढ़ता वॉल्यूम, बढ़ती आय और लाभ में बढ़ोतरी। कंपनी ने एबिटिडा और पीएटी दोनों में ठोस ग्रोथ हासिल की है।

नए फ्लीट का उद्देश्य टैक्स चोरी को रोकना और रियल-टाइम निगरानी को बढ़ाना है: हरपाल सिंह चीमा

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि के बीच आबकारी एवं कर विभाग की एनफोर्समेंट को बढ़ावा देने के लिए 25 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां आबकारी और कर विभाग की कार्यशील गतिशीलता और एनफोर्समेंट क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 25 नई बोलेरो गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस कदम से फील्ड में मौजूदगी में काफी वृद्धि होगी, टैक्स चोरी को नकेल डाली जाएगी, और पंजाब सरकार के लिए राजस्व एकत्र करने को बढ़ावा मिलेगा।

प्रेस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, आज हमारे राज्य प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम आबकारी और कर विभाग की कार्यशील गतिशीलता और एनफोर्समेंट क्षमताओं को महत्वपूर्ण ढंग से बढ़ाने के लिए आधिकारिक तौर पर 25 नए बोलेरो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर रहे हैं।

जमीनी स्तर पर कार्रवाइयों को मजबूत करने और व्यापक भौगोलिक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, अधिकतम भौगोलिक कवरेज और कार्यशील दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए, विभाग ने लगभग 2.21 करोड़ रुपये की कुल लागत से ये 25 बोलेरो वाहन खरीदे हैं। इन वाहनों को विभिन्न जिलों, एनफोर्समेंट विंगों और हमारी महत्वपूर्ण मोबाइल यूनिट्स में तैनात किया जाएगा। पंजाब के वित्त को मजबूत करने में विभाग द्वारा निभाई गई अहम भूमिका को उजागर करते हुए

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, आबकारी और कर विभाग पूरे राज्य में टैक्स कानूनों की सख्ती से पालन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, विभाग ने शानदार प्रदर्शन किया और पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के मुकाबले टैक्स संग्रह में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की गई। मजबूत राजस्व वृद्धि का विवरण देते हुए उन्होंने कहा, कुल टैक्स राजस्व में साल-दर-साल मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। कुल जीएसटी कलेक्शन 11.87% बढ़कर 24,799.18 करोड़ रुपये से 27,744.05 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 12.52% की वृद्धि के साथ 23,642.08 करोड़ रुपये से 26,601.12 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, हमारे आबकारी राजस्व में 9.15% की वृद्धि हुई है, जो 2024-25 में 10,752.80 करोड़ रुपये के मुकाबले 11,736.57 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

एनफोर्समेंट के परिणामों में हुए बड़े सुधार को रेखांकित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, एक शानदार उपलब्धि एनफोर्समेंट गतिविधियों में स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिट्स का बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, सड़क चेकिंग और निरीक्षणों के माध्यम से लगाया गया कुल जुमार्ना 321.04 करोड़ रुपये था।

वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा, मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह तेजी से बढ़कर 1,384.09 करोड़ रुपये हो गया है, जो जुमार्ना लगाने में चार गुना से अधिक और वसूली में लगभग छह गुना वृद्धि को दशार्ता है। यह बड़ा सुधार हमारे विभाग की लगन, दक्षता और मजबूत जमीनी-स्तर की एनफोर्समेंट कोशिशों को उजागर करता है।

नए शामिल किए गए फ्लीट की रणनीतिक महत्ता के बारे में बताते हुए आबकारी और कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, इस रणनीतिक पहल से हमारे अधिकारियों की फील्ड में मौजूदगी काफी हद तक मजबूत होने की उम्मीद है। यह सीधे तौर पर त्वरित निरीक्षण और जांच को सक्षम बनाएगा, अंतर-राज्यीय माल की आवाजाही की हमारी निगरानी में सुधार करेगा, और टैक्स चोरी को रोकने में हमारी समग्र प्रभावशीलता को बढ़ाएगा।

इजराइल-लेबनान के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम की घोषणा, जंग रोकी

ट्रंप ने इस समझौते को स्थायी शांति की दिशा में एक पहला कदम बताया

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/बेरूत/तेल अवीव

इजराइल और ईरान समर्थक लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम (सीज फायर) हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि लेबनान और इजराइल के राष्ट्राध्यक्षों ने इस पर अपनी सहमति जता दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मैंने आज लेबनान के राष्ट्रपति जनरल जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की।

दोनों ही 10 दिन के सीज फायर पर सहमत हो गए हैं। दोनों नेताओं ने सहमति जताई है कि अपने देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए वे पूर्वी समय के अनुसार शाम पांच बजे (भारतीय समयानुसार रात ढाई बजे) औपचारिक रूप से हमले रोक देंगे। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल, लेबनान के लोरिएंट टुडे अखबार और इजराइल के द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेशमंत्री मार्को रूबियो को निर्देश दिया है कि वे ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन के साथ मिलकर काम करें, ताकि इजराइल और लेबनान को स्थायी शांति हासिल करने में मदद मिल सके। राष्ट्रपति ने कहा कि वे नेतन्याहू और औन को बातचीत के लिए व्हाइट हाउस भी आमंत्रित करेंगे। उल्लेखनीय है कि लेबनान में चल रहा यह संघर्ष इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच है। हिज्बुल्लाह लेबनान में ईरान का छद्म आतंकी संगठन है। लेबनान के राष्ट्रपति औन ने पश्चिम एशिया में संघर्ष-विराम कराने की कोशिशों के लिए ट्रंप का आभार जताया है। लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय के बयान के अनुसार, औन ने कहा कि ट्रंप के प्रयासों से इस क्षेत्र में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ

फोटोः हि.स.

हुआ है। बयान में कहा गया है कि ट्रंप ने लेबनान के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। इस बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट के मंत्रियों से कहा कि उन्होंने ट्रंप के कहने पर लेबनान के साथ युद्ध विराम पर सहमति दी। उन्होंने इस मामले पर औपचारिक वोट कराने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप हमारे दोस्त हैं। इजराइल पूरी तरह उनके साथ है। उन्होंने मंत्रियों को आश्वासन दिया कि संघर्ष विराम के दौरान रणनीतिक जगहों तैनात हमारे सुरक्षा बल नहीं हटेंगे। इजराइल के विपक्षी नेता यायर लापिड ने लेबनान में सीजफायर के लिए प्रधानमंत्री की कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि नेतन्याहू सरकार वादे से पीछे हट गई। हिज्बुल्लाह के सांसद इब्राहिम अल-मौसवी ने कहा कि अगर इजराइल हमले रोक देता है तो लेबनानी आतंकी संगठन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा का पालन करेगा। उन्होंने कहा कि वह लेबनान पर दबाव डालने के लिए ईरान का आभार व्यक्त करते हैं। अगर ईरान इस सीज फायर को होर्मुज को बंद करने के बराबर न मानता तो यह संभव नहीं हो पाता।

लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिज्बुल्लाह और इजराइल के बीच सीज फायर का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर इस कामयाबी के लिए लेबनान के लोगों को बधाई दी। उन्होंने लड़ाई खत्म करने की कोशिशों के लिए वैश्विक नेताओं का आभार जताया। इस संघर्ष विराम पर लेबनानी सेना के प्रवक्ता चार्ल्स जबूर ने कहा कि 10 दिन के संघर्ष विराम का उपयोग सरकार को हिज्बुल्लाह के निशस्त्रीकरण के लिए करना चाहिए। फ्रांस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास और कार्यालय 'एलिसी' ने संघर्ष विराम को बहुत अच्छी खबर बताया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने भी संघर्ष विराम का स्वागत किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गैस पाइप लाइन में धमाका, आठ की मौत, पांच की हालत गंभीर

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर में गैस पाइप लाइन में हुए धमाके में आठ लोगों की मौत हो गई। धमाके की चपेट में आए अन्य पांच की हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। यह सभी हत्तार इंडस्ट्रियल एस्टेट में गैस पाइपलाइन में लगी आग में फंस गए थे। आग बुझाने के लिए आसपास से दमकल विभाग की गाड़ियां बुलानी पड़ीं।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हरिपुर के उपायुक्त (डिप्टी कमिश्नर) वसीम अहमद ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि करते हुए बताया कि यह हादसा गुरुवार को हुआ। आग में फंसे छह लोगों को बचा लिया गया। मृतकों में तीन बच्चे, दो लड़कियां, दो बुजुर्ग महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सात-आठ घंटों की कोशिश के बाद आग पर काबू पा लिया गया और बचाव अभियान पूरा हो चुका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हत्तार

फोटोः हि.स.

इंडस्ट्रियल एस्टेट में कॉलोनी मोड़ के पास कोट नजीबुल्लाह में एक गैस पाइप लाइन में अचानक आग भड़क उठी। इससे पास की एक फैक्टरी में अफरा-तफरी मच गई। फैक्टरी के कर्मचारी तो किसी तरह बचकर निकल गए, लेकिन पास के रिहायशी इलाके में कई लोग फंस गए। रेस्क्यू 1122 के एक प्रवक्ता ने बताया कि बचाव और दमकल की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए मनसेहरा, एबटाबाद, मरदान और स्वाबी से सात अतिरिक्त दमकल वाहन और दमकलकर्मी बुलाए गए। इस घटना के बाद हजारा डिवीजन में गैस की सप्लाई रोक दी गई प्रांत के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने जानमाल के नुकसान पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि प्रांतीय सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया करा रही है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस संबंध में हरिपुर के जिला पुलिस अधीक्षक शफीउल्लाह गंडापुर ने बताया कि पांच शवों को कोट नजीबुल्लाह अस्पताल और तीन को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। घायलों की हालत गंभीर है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में कमजोरी का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी शुक्रवार को बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में शुक्रवार को आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,041.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,102.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,625.27 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 10,589.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,154.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,262.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

ईरान में 48 दिन बाद गूगल सर्च बहाल, जीमेल अब भी बंद

तेहरान। ईरान में करीब 48 दिनों तक चले इंटरनेट प्रतिबंधों के बाद आंशिक राहत मिली है। देश में अब गूगल सर्च सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे आम नागरिक फिक्स्ड लाइन और मोबाइल इंटरनेट के जरिए सर्च इंजन का उपयोग कर पा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो सकी है और कई जगहों पर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां एक ओर गूगल सर्च की वापसी हुई है, वहीं जीमेल समेत कई अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं अब भी बंद हैं। इससे स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट सेवाएं अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई हैं और डिजिटल गतिविधियों पर आंशिक प्रतिबंध जारी है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष के बाद ईरानी सरकार ने देश में इंटरनेट पर सख्त पाबंदियां लगा दी थीं। इस दौरान आम नागरिकों के लिए इंटरनेट एक्सेस लगभग बंद कर दिया गया था। केवल कुछ सीमित यूजर्स-जैसे सरकारी नेटवर्क से जुड़े लोग या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल करने वाले-ही इंटरनेट का उपयोग कर पा रहे थे। लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को एक और मामले में मिली जमानत

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

बांग्लादेश में चट्टोग्राम (पुराना नाम चटगांव) की एक अदालत ने प्रख्यात हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को एक मामले में जमानत प्रदान कर दी। चिन्मय ब्रह्मचारी नवंबर 2024 से सलाखों के पीछे हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शखावत हुसैन ने गुरुवार को जमानत आदेश जारी किया। हिंदू संत के खिलाफ अनेक मामले दर्ज हैं। इसलिए अभी उन्हें न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। उन्हें चट्टोग्राम जेल में रखा गया है। इससे पहले उन्हें ढाका उच्च न्यायालय से बहुचर्चित देशद्रोह मामले में जमानत प्राप्त हो चुकी है।

फोटोः हि.स.

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जिस मामले में हिंदू संत को जमानत प्रदान की गई है, उसे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता और पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने 2023 में दायर किया था। उन्होंने अपनी शिकायत में ब्रह्मचारी पर हाथजारी उपजिला के मेखला इलाके में जमीन पर कब्जा करने, धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास और पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया था। ब्रह्मचारी के खिलाफ वकील सैफुल इस्लाम अलीफ की हत्या का मामला भी चल रहा है। उनपर कम से कम छह अन्य मामले भी विचाराधीन हैं। अदालत ने सात अप्रैल को बीएनपी नेता नासिर उद्दीन के मामले में हिंदू संत को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने याचिका को मंजूरी दी थी। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर राजद्रोह का मामला सामने आने के बाद हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की भीड़ ने पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। वकील हत्याकांड में उनकी जमानत याचिका कई बार खारिज हो चुकी है।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से चार महिलाओं की मौत, 26 लोग घायल

एजेंसी (हि.स.)
श्योपुर

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में विजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खितरपाल गांव में गुरुवार रात श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 26 लोग घायल हो गए। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

फोटोः हि.स.

पुलिस के अनुसार, वीरपुर के घुघस गांव से गुर्जर समाज के लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पार्वती बड़ौदा में भात मांगने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे सवार थे। गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे ग्राम खितरपाल के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में 26 लोग घायल हो गए।

घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत, एसडीएम अभिषेक मिश्रा और थाना प्रभारी राजन गुर्जर भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में ट्रैक्टर की तेज रफ्तार और असंतुलन को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। एसडीएम अभिषेक मिश्रा ने बताया कि हादसे में चार महिलाओं की मौत हुई है।

मृतकों की पहचान सरोज गुर्जर, सुनैना गुर्जर, सीमा गुर्जर और गीता राव सभी निवासी ग्राम घुघस के रूप में हुई है। घादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच लोगों की हालत गंभीर है। चार लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया है, जबकि एक व्यक्ति का इलाज विजयपुर के सिविल अस्पताल में चल रहा है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह ट्रैक्टर की तेज रफ्तार और संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है। घायलों की सूची रामा पत्नी मुकेश गुर्जर, हेमा पत्नी विजय सिंह गुर्जर, माधवी पत्नी भूरा गुर्जर, गुड्डी पत्नी शंकर गुर्जर, अनीता पत्नी अजबा गुर्जर, कमलेश पत्नी रूपसिंह गुर्जर, सोनम पत्नी कुलदीप राव, ऊषा राव पत्नी सतीश राव, पूर्ति पुत्री प्रथ्वी राव, प्रथ्वी राव पुत्र छोटे राव, कृष्णा पत्नी पवन गुर्जर, कान्ता पत्नी दर्शन राव, आकाश गुर्जर पुत्र पवन गुर्जर, पूजा पत्नी भूरी गुर्जर, अनीता पत्नी करन सिंह गुर्जर, पूनम पत्नी अजबा गुर्जर, निवेश पत्नी हाकिम सिंह गुर्जर, गिरिजा राव पत्नी बनवारी राव, तारा राव पत्नी गोटे राव, देवराज पुत्र गोटे राव, शिवम पुत्र ऋषिकेश, गोलू पुत्र बरीसिंह गुर्जर, महादेवी पत्नी ऋषिकेश गुर्जर, सुनीता पत्नी बरीसिंह गुर्जर, शिवानी पुत्री बबलू राव, उर्मिला राव पत्नी सुनील राव, रामकली पत्नी रतिराम गुर्जर, लक्ष्मी पत्नी बंटी गुर्जर, गुड्डी पत्नी रामविलास गुर्जर, जसोदा पत्नी मुंशी गुर्जर, बिट्टू पुत्र सुल्तान गुर्जर, सुल्ताना पत्नी सुल्तान गुर्जर, राजो पत्नी केदार गुर्जर, बबीता पत्नी रवि गुर्जर, किरोड़ी पुत्र हरविलास गुर्जर।

स्टॉक मार्केट में ओम पावर ट्रांसमिशन की मजबूत शुरूआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में बढ़त के साथ कारोबार की शुरूआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 175 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 181.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर छह प्रतिशत प्रीमियम के साथ 186 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर बीएसई पर 190.15 रुपये और एनएसई पर 195.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर 189 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक आठ प्रतिशत के फायदे में थे। ओम पावर ट्रांसमिशन का 150.06 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ से 13 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.65 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

संक्षिप्त-समाचार

जामुगुरीहाट में चाचा ने की भतीजे की निर्मम हत्या

शोणितपुर (असम)। शोणितपुर जिले के जामुगुरीहाट के टुपिया स्थित बोगाबिल इलाके में एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपने ही भतीजे की निर्मम हत्या कर दी। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, आरोपित पानीराम मुड़ी ने अपने 28 वर्षीय भतीजे राजीव मुड़ी पर लोहे की रॉड से बेरहमी से हमला किया। लगातार वार करने के कारण राजीव मुड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जामुगुड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपित पानीराम मुड़ी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

तेजपुर में भीषण सड़क दुर्घटना, भारतीय सेना के जवान की मौके पर मौत

शोणितपुर (असम)। असम के तेजपुर के रत्नपुर क्षेत्र में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के एक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान भारतीय सेना के जवान आकाश लिम्बू के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि जवान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया। दुर्घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने लूना में मारी जोरदार टक्कर, तीन की मौत

पलामू। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र गहर पथरा मोड़ के समीप गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (जेएच 03पी 0019) ने एक लूना में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीन सवार किशोरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के सोले गांव निवासी इस्तखार अंसारी के 11 वर्षीय पुत्र फरोज अंसारी उर्फ बुटन, नसीम अंसारी के 15 वर्षीय पुत्र तोहिद अंसारी एवं 13 वर्षीय इब्राहिज अंसारी पिता अमीरुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद स्कार्पियो चालक समेत अन्य सवार मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस स्कॉर्पियो और लूना को जब्त करके ले गई है। स्कॉर्पियो बैरिया चौक की बताई गई है। शुक्रवार को तीनों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। बताया जाता है कि शोले गांव से तीनों किशोर एक लूना पर सवार होकर बाजार गए थे और वहां से लौट रहे थे। इसी क्रम में स्कॉर्पियो ने लूना में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद लूना सवार तीनों जख्मी को इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया था, जहां फरोज अंसारी उर्फ बुटन एवं तोहिद अंसारी को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि इब्राहिज को बेहतर इलाज के लिए डॉ राहुल अग्रवाल के निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहां कुछ देर इलाज चलने के बाद उसकी भी मौत हो गई। रात में ही उसका शव पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेजा गया। मरने वाले किशोर में इब्राहिज और फिरोज गोतिया परिवार से आते थे। तौहीद पड़ोसी है। इधर घटना की जानकारी मिलने पर पारा लीगल वालंटियर एमएमसीएच पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

डेबरा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलती लॉरी में लगी आग, यातायात प्रभावित

पश्चिम मेदिनीपुर। जिले के डेबरा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 पर चलती एक लॉरी में अचानक आग लगने से शुक्रवार सुबह इलाके में हड़कंप मच गया। घटना द्वारिकापुर इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लॉरी हल्दियाझमेदिनीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी, तभी अचानक उससे धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और पूरी लॉरी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। सूचना पाकर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। प्राथमिक रूप से माना जा रहा है कि लॉरी के इंजन में यांत्रिक खराबी के कारण आग लगी होगी। हालांकि आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

डंपर-कार टक्कर में डॉक्टर की मौत, साथी गंभीर घायल

पाली। पाली शहर के टीपी नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक डॉक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा नया गांव रोड स्थित गुर्जर छात्रावास के पास रात करीब एक बजे हुआ। पुलिस के अनुसार कार के साथ चल रहे डंपर ने अचानक मोड़ ले लिया, जिससे कार चालक संभल नहीं सका और तेज टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हादसे में कार चला रहे डॉ. शैलेष विश्नोई (34) निवासी दांता (सांचौर, जालोर) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके साथ सवार डॉ. गौरव सिंह (30) निवासी धिंगाणा (पाली) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल डॉक्टर को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। दोनों डॉक्टर नया गांव रोड स्थित जन हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे थे और अस्पताल के पास ही किराए के मकान में रहते थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन पाली पहुंच गए। डॉ. शैलेष विश्नोई ने वर्ष 2020-21 में नेपाल से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की थी और पिछले चार वर्षों से पाली में कार्यरत थे। उन्होंने पहले बांगड़ हॉस्पिटल में मेडिकल ऑफिसर के रूप में सेवाएं दीं और करीब छह महीने पहले जन हॉस्पिटल जॉइन किया था। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एएसआई ओमप्रकाश चौधरी के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और फरार डंपर चालक की तलाश जारी है। शव को बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी, आईटीसी, ट्रेंट लिमिटेड और टीएमपीवी के शेयर 1.60 प्रतिशत से लेकर 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजी और बजाज ऑटो के शेयर 3.51 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,696 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,966 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 730 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 12.55 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,976.13 अंक के स्तर पर खुला।

कार्यक्रम नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

आज नारी शक्ति आगे बढ़ रही: सम्राट चौधरी

एजेंसी (हि.स.)
पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत आयोजित 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ स्थित दीघा गोलंबर पर आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान में मुख्यमंत्री ने हस्ताक्षर कर अपनी उपस्थिति दर्ज की। मुख्यमंत्री को विधायक सुश्री श्रेयसी सिंह ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने हाथ हिलाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

फोटोः हि.स.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' के आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि यह नारी शक्ति का कार्यक्रम है। आज का दिन ऐतिहासिक होनेवाला है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा महिलाओं को ताकत देनेवाला विधेयक यदि आज लोकसभा से पारित होता है तो आज का दिन (17 अप्रैल) इस देश की महिलाओं के लिए क्रांतिकारी दिन होगा। इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से एक-तिहाई सीट सिर्फ महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। लोकसभा की एक-तिहाई सीटों पर चुनाव जीतकर इस देश की संसद में न सिर्फ महिलाएं अपनी आवाज बुलंद करेंगी बल्कि देश पर राज करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नारी शक्ति आगे बढ़ रही है। बिहार में नीतीश कुमार जी ने पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है इससे महिलाओं को काफी ताकत मिली है और वो आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी तय किया है कि इस देश की 816 लोकसभा सीटों में से एक-तिहाई महिलाएं जीतकर संसद में तथा विधानसभाओं में भी एक-तिहाई सीटों पर महिलाएं जीतकर सदन में जाएंगी। इस निर्णय का हम सभी बिहारवासी पूरी एकजुटता के साथ मिलकर स्वागत करें। पुनः मैं 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ।

इस अवसर पर विधायक श्रेयसी सिंह, विधायक रमा निषाद, विधायक संगीता कुमारी, पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में प्रभसिमरन और अय्यर की मजबूत दावेदारी

विराट शीर्ष पर बरकरार, युवा सितारों ने आक्रामक बल्लेबाजी से दिग्गजों की उड़ाई नींद

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का रोमांच अपने चरम पर है। लीग के 24वें मुकाबले में पंजाब किंग्स की मुंबई इंडियंस पर एकतरफा जीत ने न केवल अंक तालिका के समीकरण बदले हैं, बल्कि 'ऑरेंज कैप' और 'पर्पल कैप' की व्यक्तिगत होड़ को भी बेहद दिलचस्प बना दिया है। जहां अनुभवी विराट कोहली अपने बल्ले की चमक से शीर्ष पर जमे हुए हैं, वहीं युवा सितारों ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दिग्गजों की नींद उड़ा दी है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल के इस सीजन में अब भी रनों के शिखर पर बैठे हैं। हालांकि, पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ जो प्रदर्शन किया, उसने ऑरेंज कैप की रेस में खलबली मचा दी है। पंजाब के युवा बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने मुंबई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए मात्र 39 गेंदों में नाबाद 80 रनों की तूफानी पारी खेली। इस विस्फोटक प्रदर्शन की बदौलत वे अब 211 रनों के साथ इस सूची में पांचवें स्थान पर आ गए हैं। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने 35 गेंदों में 66 रनों की कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और व्यक्तिगत तौर पर 203 रन बनाकर छठे स्थान पर कब्जा कर लिया है। वर्तमान में शीर्ष क्रम इस प्रकार है- विराट कोहली पहले स्थान पर बरकरार। हेनरिक क्लासेन दूसरे स्थान पर चुनौती दे रहे हैं। रजत पाटीदार व ईशान किशन क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर। दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी के लिए पिछला मैच किसी बुरे सपने जैसा रहा। सनराइजर्स

फोटोः हि.स.

हैदराबाद के खिलाफ 'गोल्डन डक' (शून्य) पर आउट होने के कारण वे शीर्ष से खिसककर अब सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की बात करें तो पर्पल कैप की रेस में भारतीय तेज गेंदबाजों और स्पिनर्स के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। हालांकि शुरूआती नौ स्थानों पर कोई बड़ा फेरबदल नहीं हुआ है, लेकिन मुंबई इंडियंस के अनुभवी गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने अपनी धारदार गेंदबाजी के दम पर शीर्ष 10 में वापसी कर ली है। शार्दुल अब 6 विकेटों के साथ दसवें पायदान पर हैं। गेंदबाजी की इस प्रतिष्ठित सूची में फिलहाल दो खिलाड़ी संयुक्त रूप से राज कर रहे हैं- प्रसिद्ध कृष्णा 10 विकेट। अंशुल कंबोज 10 विकेट। इनके ठीक पीछे लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और राजस्थान रॉयल्स के फिरकी जादूगर रवि बिश्नोई 9-9 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। जोफ्रा आर्चर, भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या भी 7-7 विकेट के साथ किसी भी वक्त पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। टूर्नामेंट जैसे-जैसे अपने आधे सफर की ओर बढ़ रहा है, खिलाड़ियों की फिटनेस और फॉर्म निर्णायक साबित हो रही है। मुंबई इंडियंस की पंजाब के हाथों शर्मनाक हार ने जहां उनकी गेंदबाजी की पोल खोल दी है, वहीं पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन और अय्यर की फॉर्म शुभ संकेत है। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि आने वाले हफ्तों में पिचें धीमी होंगी, जिससे रवि बिश्नोई जैसे स्पिनरों को पर्पल कैप की रेस में फायदा मिल सकता है। वहीं, ऑरेंज कैप की रेस में विराट कोहली को अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए निरंतरता दिखानी होगी, क्योंकि क्लासेन और अय्यर जैसे खिलाड़ी स्ट्राइक रेट के मामले में उनसे आगे निकल रहे हैं। आने वाले मैचों में होने वाले बदलावों पर पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें टिकी हैं।

ईरानी महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया सरकार का जताया आभार

- सुरक्षित माहौल में करियर फिर शुरू करने की जताई इच्छा

एजेंसी (हि.स.)
मेलबर्न

ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ी फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ने ऑस्ट्रेलिया सरकार का आभार जताते हुए कहा है कि उन्हें यहां सुरक्षित ठिकाना मिला है और वे अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने के बाद खेल करियर दोबारा शुरू करना चाहती हैं। मानवीय वीजा मिलने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में दोनों खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि उन्हें मिली सहानुभूति और समर्थन ने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगाई है, जहां वे बिना डर के रह और खेल सकें।

उन्होंने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया सरकार, विशेष रूप से गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें मानवीय सुरक्षा और इस खूबसूरत देश में सुरक्षित स्थान प्रदान किया। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन कप के दौरान ईरानी टीम के छह

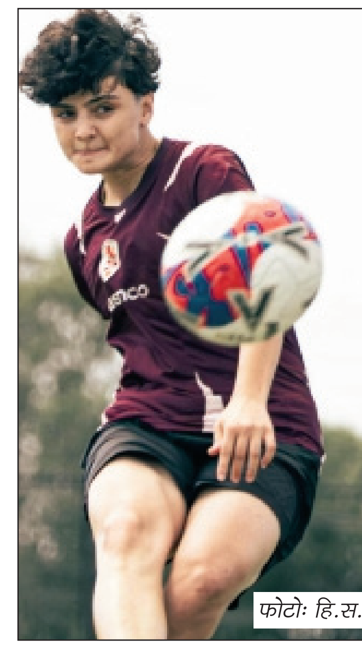
फोटोः हि.स.

खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ को मानवीय वीजा देने का निर्णय लिया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले किए गए थे, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, इस समूह के पांच सदस्य बाद में अपना निर्णय बदलकर ईरान लौट गए, जबकि फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ऑस्ट्रेलिया में ही रुक गईं। दोनों खिलाड़ी पिछले महीने से ए-लीग महिला टीम ब्रिस्बेन रोअर के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान अपनी सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन को फिर से पटरी पर लाने पर है। उन्होंने आगे कहा, हम पेशेवर खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल करियर को जारी रखना हमारा सपना है। ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता तब बढ़ी थी, जब एशियन कप के एक मैच के दौरान कुछ खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसके बाद ईरानी सरकारी टीवी ने उन्हें युद्धकालीन गद्दार तक करार दिया था। गौरतलब है कि टीम के अन्य खिलाड़ी पिछले महीने तुर्की सीमा के रास्ते कठिन यात्रा के बाद ईरान लौट गए थे।

स्टटगार्ट ओपन 2026: रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

एजेंसी (हि.स.)
स्टटगार्ट

जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला

फोटोः हि.स.

सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं। इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

आईजीआईपीईएसएस ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस (आईजीआईपीईएसएस) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज को 100 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया। इस जीत के हीरो रहे हर्षित अनेजा, जिन्होंने मात्र 23 गेंदों में 65 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उन्हें उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

आईजीआईपीईएसएस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 260 रन बनाए। हर्षित के अलावा दीपान्शु ने भी 25 गेंदों पर 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में कार्तिक कालरा ने 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

फोटोः हि.स.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्याम लाल कॉलेज की टीम दबाव में नजर आई और 160 रनों पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से अस्मित पंवार ने 36 और रवि राज ने 29 रन बनाए, जबकि संदीप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 37 रन देकर 4 विकेट झटके। टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में डीसीएसी ने आरएलएसी को 72 रनों से हराया। डीसीएसी की ओर से सुयश प्रताप ने 42 गेंदों में 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसीएसी की टीम 20 ओवरों में 182 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में आरएलएसी की टीम 16.3 ओवरों में 110 रन पर सिमट गई। आरएलएसी के लिए तन्मय चोपड़ा ने 22 रन बनाए। डीसीएसी की ओर से मनित वर्मा ने 3/17 और अराधुआ सती ने 3/26 के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़े दर्ज किए, जबकि अंकित और अंशुल ने क्रमशः 3 और 2 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

लगातार चौथी हार के बाद हार्दिक ने कहा, हमें कुछ कड़े फैसले करने होंगे

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार चौथी हार के बाद अपनी बात खुलकर रखते हुए कहा कि अब कुछ कड़े फैसले लेने का समय आ गया है और उनके खिलाड़ियों को टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। मुंबई इंडियंस को अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा और वह केवल दो अंकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर है। पंड्या ने मैच के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे पास कहने के लिए अधिक कुछ नहीं है। हमें बैठकर विचार करने की जरूरत है कि हम कहां पिछड़ रहे हैं। चाहे वह व्यक्तिगत खिलाड़ी हों, टीम हो, या हमारी रणनीति और काम करने का तरीका हो। इसे फिर से ठीक करना होगा। इस तरह से पंड्या ने अप्रत्यक्ष रूप से सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत

फोटोः हि.स.

बुमराह और तिलक वर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन की तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा, अब हमें यह देखना होगा कि क्या हमें कुछ कड़े फैसले लेने की जरूरत है या फिर हमें इसी तरह आगे बढ़ते हुए हालात को पलटने की कोशिश करनी चाहिए। हमें अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। सूर्यकुमार ने अब तक एक अर्धशतक बनाया है, लेकिन उनके अन्य स्कोर 16, 06, 33 और 00 रहे हैं, जबकि तिलक वर्मा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने 20, 00, 14, 01 और 08 रन बनाए हैं।

दर्पण विशेष

विश्व विरासत दिवस: सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता का सम्मान

समय की गति कभी नहीं रुकती, लेकिन कुछ स्थान ऐसे होते हैं जहाँ समय स्वयं ठहर जाता है। जब आप चित्तौड़गढ़ की प्राचीर पर खड़े होते हैं या अजंता की गुफाओं में बुद्ध के शांत चेहरे को निहारते हैं, तो आप केवल पत्थर नहीं देख रहे होते, बल्कि सदियों पुरानी धड़कन महसूस कर रहे होते हैं। आज 18 अप्रैल है—विश्व धरोहर दिवस। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम जिस जमीन पर चल रहे हैं, उसका गौरव कितना पुराना है और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्ज कितना बड़ा है।

इतिहास-महत्व-उद्देश्य

विश्व धरोहर दिवस की नींव एक अंतरराष्ट्रीय संगठन इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा रखी गई थी। प्रस्ताव (1982): ट्यूनीशिया में एक सम्मेलन के दौरान आईकोमोस ने सुझाव दिया कि पूरी दुनिया में एक ऐसा दिन होना चाहिए जो स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण को समर्पित हो। इसके लिए 18 अप्रैल की तारीख चुनी गई। यूनेस्को की मुहर (1983): नवंबर 1983 में यूनेस्को के 22वें महाधिवेशन में इस प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। तब से हर साल 18 अप्रैल को पूरी दुनिया में 'विश्व धरोहर दिवस' मनाया जाने लगा। इसे 'अंतरराष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस' के नाम से भी जाना जाता है।विरासतें किसी देश की पहचान और उसकी जड़ों का प्रमाण होती हैं। इनका महत्व कई स्तरों पर हैः सांस्कृतिक पहचानः ये स्थल हमें बताते हैं कि हमारी सभ्यता कैसे विकसित हुई। बिना धरोहरों के, इतिहास केवल कोरी कल्पना बनकर रह जाएगा। आर्थिक आधारः ऐतिहासिक धरोहरें पर्यटन का मुख्य केंद्र होती हैं। इनसे लाखों लोगों को रोजगार मिलता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। सीखने का जरियाः प्राचीन वास्तुशिल्प, खगोल विज्ञान और इंजीनियरिंग की जो समझ हमारे पूर्वजों के पास थी, उसे आज भी इन धरोहरों को देखकर सीखा जा सकता है। वैश्विक एकताः ताजमहल हो या चीन की दीवार, ये स्थल पूरी मानवता की साझा विरासत हैं। ये विभिन्न देशों और संस्कृतियों को एक धागे में पिरोने का काम करते हैं। विश्व धरोहर दिवस मनाने के पीछे कुछ स्पष्ट और गहरे लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं- जागरूकता फैलानाः आम जनता, विशेषकर युवाओं को यह समझाना कि ऐतिहासिक स्थल केवल 'पर्यटन स्थल' नहीं हैं, बल्कि वे जीवित इतिहास हैं। चुनौतियों पर ध्यान खींचनाः प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, युद्ध और अवैध निर्माण के कारण जो धरोहरें खतरे में हैं, उनके संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना। विविधता का जश्नः दुनिया भर की विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं की विविधता को सम्मान देना। संरक्षण के नियम बनानाः सरकारों और स्थानीय निकायों को प्रेरित करना कि वे इन स्थलों की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाएं और उनके मूल स्वरूप को बनाए रखें। सामुदायिक भागीदारीः स्थानीय लोगों को धरोहरों के संरक्षण से जोड़ना, क्योंकि किसी भी स्थल की सुरक्षा तब तक संभव नहीं जब तक वहां के लोग उसे अपना न समझें।

भारतीय विरासतः संस्कृति का वैश्विक गौरव

भारत के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जहाँ की मिट्टी के हर हिस्से में एक ऐतिहासिक स्मारक छिपा है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 40 से अधिक स्थल शामिल हैं। इनमें ताजमहल की भव्यता, हम्पी के खंडहरों का वैभव, खजुराहो की कलात्मकता और सुंदरवन की प्राकृतिक सुंदरता शामिल है। लेकिन हमारी विरासत केवल बड़ी इमारतों तक सीमित नहीं है। भारत में 'सांस्कृतिक' और 'प्राकृतिक' दोनों तरह की धरोहरों का संगम है। हाल के वर्षों में शांतिनिकेतन और होयसल के पवित्र मंदिर समूहों को इस सूची में शामिल करना इस बात का प्रमाण है कि दुनिया भारत की स्थापत्य कला और दार्शनिक गहराई की आज भी कायल है।

विरासत और विकास का द्वंद्वः आज की चुनौतियां

एक पत्रकार के रूप में जब हम जमीनी हकीकत देखते हैं, तो तस्वीर केवल गौरवमयी नहीं होती। आज हमारी धरोहरें दोतरफा मार झेल रही हैं– एक तरफ जलवायु परिवर्तन का कहर है और दूसरी तरफ अंधाधुंध शहरीकरण। प्रदूषण का सायाः ताजमहल के सफेद संगमरमर पर अम्लीय वर्षा और प्रदूषण के कारण आती पीलापन एक पुरानी लेकिन गंभीर समस्या है। केवल ताज ही क्यों, हमारे शहरों के बीचों-बीच स्थित कई बावड़ियाँ और छोटे स्मारक कूड़े के ढेर में तब्दील हो रहे हैं। अतिक्रमण की समस्याः कई ऐतिहासिक किलों के आसपास अवैध निर्माण ने उनकी मौलिक पहचान को खतरे में डाल दिया है। जब हम विरासत स्थल के पास कंक्रीट के जंगल खड़े कर देते हैं, तो हम उस ऐतिहासिक परिदृश्य को हमेशा के लिए खो देते हैं।

पर्यटन बनाम संरक्षण

पर्यटन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है, लेकिन 'अंधा पर्यटन' विरासत के लिए जहर समान है। जब हजारों की संख्या में लोग किसी संवेदनशील स्मारक के भीतर जाते हैं, तो उनके पैरों की धमक और साँसों की नमी भी प्राचीन भित्ति चित्रों को नुकसान पहुँचाती है। अजंता-एलोरा जैसी जगहों पर अब पर्यटकों की संख्या को नियंत्रित किया जाता है, जो एक स्वागत योग्य कदम है। हमें 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म' (जिम्मेदार पर्यटन) को बढ़ावा देना होगा। पर्यटकों को यह समझना होगा कि स्मारक सेल्फी लेने का बैकड्रॉप मात्र नहीं हैं, बल्कि वे एक जीवित इतिहास हैं। अच्छी खबर यह है कि आधुनिक तकनीक अब विरासत के संरक्षण में एक सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। अब कई स्मारकों की 3ऊलेजर मैपिंग की जा रही है। अगर भविष्य में कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो इन डिजिटल रिकॉर्ड्स की मदद से उस स्मारक को दोबारा उसी रूप में खड़ा किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः प्राचीन लिपियों को पढ़ने और नष्ट हो चुके हिस्सों का पुनर्निर्माण करने में अक अद्भुत काम कर रहा है। वर्चुअल टूरः जो लोग शारीरिक रूप से वहाँ नहीं पहुँच सकते, उनके लिए वर्चुअल रियलिटी के जरिए उन स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है, जिससे स्थलों पर मानवीय दबाव कम होता है। विरासत का संरक्षण केवल सरकार या 'भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण' की जिम्मेदारी नहीं है। असली संरक्षण तब होता है जब स्थानीय समुदाय उस स्मारक को अपना समझता है। उदाहरण के लिए, राजस्थान के कई गांवों में स्थानीय लोग पुराने कुंडों और हवेलियों को बचाने के लिए खुद आगे आए हैं। जब विरासत से रोजगार जुड़ता है और स्थानीय लोगों को गौरव महसूस होता है, तो वह स्मारक कभी लावारिस नहीं रहता। विश्व धरोहर दिवस पर हमें कुछ संकल्प लेने की आवश्यकता है। शिक्षा में समावेशः हमारे बच्चों को स्कूलों में केवल इतिहास के युद्ध न पढ़ाए जाएं, बल्कि उन्हें स्मारकों के निर्माण की कला और उनके संरक्षण का महत्व सिखाया जाए। स्वच्छता का संकल्पः किसी स्मारक की दीवार पर अपना नाम लिखना या वहां कचरा फेंकना एक सभ्य समाज की पहचान नहीं है। यह हमारे पूर्वजों का अपमान है। स्थानीय स्मारकों को पहचानः अक्सर हम यूनेस्को साइट्स के पीछे भागते हैं, लेकिन हमारे मोहल्ले या गांव में स्थित पुरानी सराय, बावड़ी या मंदिर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

पीजीआई चंडीगढ़ ने स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का भव्य पुरस्कार समारोह के साथ समापन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ ने अपने पखवाड़ा-भर चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा 2026 (1 से 15 अप्रैल 2026) का समापन संस्थान में आयोजित एक भव्य पुरस्कार समारोह के साथ किया। इस समापन समारोह में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण और संक्रमण-मुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पीजीआईएमईआर परिवार के सामूहिक योगदान का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. आर.के. राठो, डीन (अकादमिक), पीजीआईएमईआर मुख्य अतिथि रहे, जबकि प्रो. विपिन कौशल, चिकित्सा अधीक्षक, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में बड़ी संख्या में फैकल्टी सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, स्वच्छता एवं हाउसकीपिंग स्टाफ, सुरक्षा कर्मी तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए।

अपने संबोधन में प्रो. आर.के. राठो ने संक्रमण की रोकथाम में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने अपने वायरोलॉजी के अनुभव के आधार पर बताया कि हाथों की स्वच्छता, बायोमेडिकल कचरे का सही पृथक्करण, सतहों की सफाई और पर्यावरणीय स्वच्छता जैसे सरल उपाय किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में संक्रमण नियंत्रण की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में होने वाले संक्रमण एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती हैं और स्वच्छ वातावरण कोई विकल्प नहीं बल्कि मरीजों की सुरक्षा और कर्मचारियों के कल्याण के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने नोडल टीम और सभी कर्मियों को स्वच्छता को संस्थागत मूल्य बनाने के लिए बधाई दी।

प्रो. विपिन कौशल ने अपने संबोधन में दैनिक जीवन में स्वच्छता के व्यापक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक बार की गतिविधि नहीं बल्कि जीवनशैली है—घर, कार्यस्थल और समाज में समान रूप से आवश्यक। उन्होंने पीजीआईएमईआर परिवार के प्रत्येक सदस्य से अपील की कि वे स्वच्छता पखवाड़ा की भावना को आगे बढ़ाते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता के दूत बनें। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छता और हाउसकीपिंग कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें स्वच्छ अस्पताल की नींव बताया।

डॉ. विजय ताडिया, नोडल अधिकारी, स्वच्छता पखवाड़ा 2026 ने पूरे पखवाड़े की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पखवाड़ा को स्वच्छ अस्पताल, सुरक्षित रोगी थीम के अंतर्गत विभिन्न थीम-आधारित दिनों में आयोजित किया गया।

चुनाव आयोग की आचार संहिता का सभी दल करें पालन: शर्मा

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में आरओ, एआरओ व विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में नगर निगम चुनाव को लेकर आरओ, एआरओ व विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी हिदायतों की सभी दल सख्ती से पालना करें। उपायुक्त ने बताया कि पंचकूला में पारदर्शी, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव करवाना चुनाव आयोग का उदेश्य है। उन्होने सभी राजनैतिक दलों से अपील की कि नगर निगम चुनाव के दौरान राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी हिदायतों की सख्ती से पालना करते हुए चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष से करवाने में प्रशासन का सहयोग करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव के लिए जिला पंचकूला में जनसभा/रैली करने के लिये स्थान निश्चित कर दिये गये है। जिसकी सूची सभी को शीघ्र उपलब्ध करवा दी जाएगी। इन निर्धारित स्थानों पर उम्मीद्वारों द्वारा जनसभा/रैलियों का आयोजन सम्बंधित रिट्र्निंग अधिकारी की अनुमति के उपरान्त किया जायेगा। उन्होने बताया कि किसी भी राजनीतिक दल/उम्मीद्वार द्वारा चुनाव के दौरान किसी भी स्कूल, कॉलेज स्थल अथवा धार्मिक स्थल का प्रयोग रैली व अन्य चुनाव सम्बन्धित प्रचार-प्रसार हेतु नहीं किया जायेगा। उन्होने बताया कि नगर निगम, पंचकूला चुनाव-2026 को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जिसके अनुसार जिला स्तर पर कार्यालय द्वारा आदर्श आचार संहिता की पालना के लिए टीम का गठन कर दिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के उम्मीद्वारों द्वारा नगर निगम चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार के लिए वाहन की अनुमति लेना अनिवार्य है। जिला निर्वाचन अधिकारी/रिट्र्निंग अधिकारी/अधिकृत ऐथोरटी की अनुमति लेकर ही चुनाव के प्रचार के लिये वाहन का प्रयोग किया जायेगा। उन्होने बताया कि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी द्वारा चुनाव से सम्बंधित खर्चे हेतु अलग से बैंक में खाता खोला जाना चाहिए। सभी उम्मीद्वारों द्वारा चुनाव से सम्बन्धित किये जाने वाले खर्चे का लेखा अलग से रखा जाना है। उम्मीद्वारों द्वारा चुनाव के दौरान किये गये खर्चे की तीन बार निरिक्षण करवाया जाएगा। जिसकी तिथि खर्च पर्यवेक्षक द्वारा निर्धारित की जायेगी। उम्मीद्वारों द्वारा खर्च को चुनाव परिणाम की घोषणा के उपरान्त 30 दिन के अन्दर-अंदर शपथ पत्र के साथ खर्च पर्यवेक्षक रजिस्टर में मूल बिलों के साथ अभ्यिर्थियों द्वारा उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन कार्यालय, पंचकूला में जमा करवाया जायेगा।

उन्होने बताया कि चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीद्वारों द्वारा छपवाई व इस्तेमाल की जाने वाली निर्वाचन सामग्री पर छपवाई की मात्रा व छापने वाली प्रिन्टींग प्रैस का पूरा पता छपवाई गई निर्वाचन सामग्री पर दर्शायां जायेगा तथा इसका विवरण चुनाव कार्यालय द्वारा गठित चुनाव खर्च मानिटरिंग टीम चुनाव खर्च निगरानी टीम को उपलब्ध करवाया जायेगा। उन्होने बताया कि चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीद्वारों द्वारा स्थानीय बाजार से टैन्ट व अन्य सामान किराये पर लेने हेतु जिला प्रशासन द्वारा दरें निर्धारित की गई है। जिसकी प्रति आपको प्रदान कर दी जाएगी। सभी प्रकार की अनुमतियों के लिये सिंगल विन्डो सिस्टम के द्वारा फॉर्म जमा करवाया जाएगा। सभी उम्मीद्वारों द्वारा चुनाव के दौरान सभी प्रकार की अनुमतियों के लिये आवेदन किया जाना है। चुनाव से सम्बंधित सभी प्रकार की अनुमति रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय द्वारा प्रदान की जायेगी।

उन्होने बताया कि नगर निगम चुनाव 2026 के लिये कार्यालय द्वारा चुनाव खर्च की निगरानी हेतु खर्च मानिटरिंग कंट्रोल रूम का गठन कर दिया जाएगा। जिसकी जानकारी सभी से सांझी कर दी जाएगी।

इस अवसर पर जेजेपी से के सी भारद्वाज, बीजेपी से राजिंदर नूनीवाल, आईएनएलडी के सतीश कुमार, सीपीआईएम के वेद प्रकाश, आम आदमी पार्टी के अशोक कुमार, बीएसपी के राजकुमार, आरओ संयम गर्ग, एआरओ सुनील जाखड़, एआरओ विशाल परासर, एआरओ सुरेश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मानव एकता दिवस: सेवा और आध्यात्मिक समरसता का पावन अवसर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्य स्पंदन से आलोकित होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है। यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वतः विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में मानव एकता दिवस 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जो संपूर्ण मानव जाति को एकत्व, सेवा और सद्भाव का अमूल्य संदेश प्रदान करेगा।

चंडीगढ़ के जोनल इन्चार्ज श्री ओ.पी. निरंकारी जी ने बताया कि निरंकारी मिशन द्वारा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में संत निरंकारी सत्संग भवन सेक्टर 30 ए चंडीगढ़ में दिनांक 24-04-26 को प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विशाल रक्तदान कैम्प लगाया जा रहा है जिसका उद्घाटन चंडीगढ़ के मेयर श्री सौरभ जोशी जी करेंगे । इस रक्तदान शिविर में पीजीआई चंडीगढ़ के ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग तथा जनरल हॉस्पिटल सेक्टर -16 की टीमें सहयोग करेंगी । सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में एक भव्य एवं दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जहाँ श्रद्धालु भक्त प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय एकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा। इसके साथ ही देश-विदेश की विभिन्न शाखाओं में भी श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक भाव से साकार करेंगे। इस पावन संगम के माध्यम से हर हृदय प्रेम, शांति और भाईचारे के प्रकाश से आलोकित होगा तथा मानवता की एकसूत्रता का संदेश विश्वभर में प्रसारित होगा।

यह पावन दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और आपसी भाईचारे के भाव में निहित हैं।

दिल्ली के मुख्य आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर गहन श्रद्धा, समर्पण और सेवा-भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस पावन सेवा यज्ञ में विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की समर्पित टीम अपनी विशेषज्ञता और करुणा के साथ सेवा प्रदान करेगी, जिससे यह प्रयास मानवता के प्रति संवेदनशीलता का सजीव उदाहरण बनेगा।

खुले में गेहूं के अवशेषों को जलाने की घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखने के लिए सहायक कृषि अभियंता ने गांव रिहोड का किया दौरा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सहायक कृषि अभियंता ओमप्रकाश महीवाल द्वारा खंड बरवाला के गांव रिहोड का दौरा किया गया। इस दौरान किसान श्री ओमप्रकाश की लगभग 7 एकड़ भूमि पर खड़ी गेहूं की फसल को कंबाइन हार्वेस्टर द्वारा कटवाया गया। इस अवसर पर सहायक कृषि अभियंता ओमप्रकाश महीवाल ने किसानों को बताया कि जिला पंचकूला में आसानी से कंबाइन हार्वेस्टर उपलब्ध हैं। उन्होंने किसानों को खुले में गेहूं के अवशेष न जलाने की सलाह दी, क्योंकि इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। साथ ही यह भी बताया कि गेहूं के अवशेषों को जलाने के बजाय स्ट्रा रीपर के माध्यम से पशुओं के चारे के रूप में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने जानकारी दी कि इस बार सरकार द्वारा गेहूं के अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जिला स्तर पर कई टीमें गठित की गई हैं, जो अवशेष जलाते पाए जाने पर संबंधित किसान का चालान करेंगी। इसके साथ ही एफआईआर दर्ज करने और रेड एंट्री करने की भी कार्रवाई की जाएगी।

पोषित भविष्य की ओर: पोषण पखवाड़ा से सामुदायिक भागीदारी और प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चल रहे पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न केंद्रों पर पोषण, प्रारंभिक बाल देखभाल तथा सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। आरसी धनास-1 में डू-इट-योरसेल्फ खिलौना निर्माण विषय पर एक रोचक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों को घर में उपलब्ध साधारण सामग्रियों से सुरक्षित, कम लागत वाले एवं शिक्षाप्रद खिलौने बनाने के बारे में जानकारी दी गई। विकास नगर में 3झ6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे उनके शारीरिक विकास, समन्वय एवं टीम भावना को मनोरंजक तरीके से प्रोत्साहन मिला। पलसौरा में नवचेतना फ्रेमवर्क (0झ3 वर्ष) के अंतर्गत घर पर प्रारंभिक शिक्षा हेतु कम लागत वाली सामग्री का उपयोग विषय पर सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र के दौरान अभिभावकों को सरल एवं स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से बच्चों के प्रारंभिक सीखने एवं विकास को प्रोत्साहित करने के तरीके बताए गए। इन प्रमुख गतिविधियों के अतिरिक्त विभिन्न केंद्रों पर कई सहायक पहलें भी संचालित की गईं। इनमें सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु युवा समूह बैठकें, बेहतर पोषण के लिए मिलेट्स का प्रचार-प्रसार, पोषण वाटिका (किचन गार्डन) अभियान, मिलेट्स के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए घर-घर जागरूकता अभियान, तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को सीखने के केंद्र के रूप में प्रोत्साहित करना शामिल रहा। इन गतिविधियों में समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसने पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सार्थक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आज सार्थक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-12ए में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्रों के बीच विधिक साक्षरता का प्रसार करना तथा उन्हें उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव श्री अजय कुमार घनघस ने एक सारगर्भित व्याख्यान दिया, जिसमें विधिक सेवाओं एवं न्याय तक पहुंच से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा में उनकी भूमिका पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों के लिए योजना, 2015 के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा पीड़ितों के लिए उपलब्ध सहायता तंत्रों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बच्चों के लिए बाल-अनुकूल विधिक सेवाएं एवं उनकी सुरक्षा योजना, 2015 के बारे में भी चर्चा की और बताया कि बच्चे किस प्रकार सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण में विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने तेजाब हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2016 के प्रावधानों पर भी प्रकाश डालते हुए उपलब्ध विधिक उपायों एवं सहायता का उल्लेख किया।

श्री घनघस ने यह भी कहा कि विधिक सहायता सेवाएं यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं कि न्याय सभी के लिए सुलभ हो, चाहे उनकी आर्थिक या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। उन्होंने छात्रों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सेवा संस्थानों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

यह शिविर सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों को विधिक अधिकारों एवं सेवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ऐसी पहलें विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने तथा युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

संक्षिप्त-समाचार

ड्रोन, एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों तथा उनका सीमा प्रबंधन व राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पर संगोष्ठी का आयोजन

मोहाली। 17 अप्रैल को मुख्यालय विशेष महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल की पश्चिमी कमान चंडीगढ़ ने लखनौर (मोहाली) स्थित सिंदूर सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा उनका सीमा प्रबंधन व राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव था। चर्चा में वर्तमान चेतावनियों, तस्करी और इनसे लड़ने हेतु सुरक्षा संस्थानों के मध्य दृढ समन्वय पर चर्चा की गयी। इसमें सीमा सुरक्षा बल, बल मुख्यालय, नई दिल्ली, फील्ड फॉरमेशन, भारतीय सेना पश्चिमी कमान, भारतीय वायु सेना चंडीगढ़, पंजाब पुलिस, आई आई टी रोपड़, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, नैनो साइंस सेंटर मोहाली, आआईटी रोपड़ और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज चंडीगढ़ सहित अन्य प्रमुख और विशिष्ट संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों व विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी की। संगोष्ठी में ड्रोन से होने वाली तस्करी, निगरानी और सीमा पार गतिविधियों से बढ़ते खतरों पर चर्चा की गयी। मुख्यतः, उन्नत ड्रोन पहचान और ड्रोन-रोधी प्रौधागिकयों की तैनाती, फोरेंसिक विश्लेषण क्षमताओं को मजबूत करने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

चंडीगढ़ डीजीपी ने ऑनलाइन स्व-गणना की

चंडीगढ़। जनगणना 2027 में जनता की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, डॉ. सागर प्रीत हूडा, पुलिस महानिदेशक, यूटी चंडीगढ़, ने आज ऑनलाइन जनगणना पोर्टल के माध्यम से अपनी स्व-गणना सफलतापूर्वक पूरी की। स्व-गणना प्रक्रिया को डॉ. नवजोत खोसा, निदेशक, जनगणना संचालन निदेशालय, यूटी चंडीगढ़ और सुश्री खुशप्रीत कौर, एसडीएम (केंद्रीय), यूटी चंडीगढ़ द्वारा सुगम बनाया गया। स्व-गणना प्रक्रिया को अपनाकर, डीजीपी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म की सरलता, पहुंच और सुरक्षित प्रकृति को रेखांकित किया। उन्होंने जोर दिया कि ऐसी नागरिक-केंद्रित पहल न केवल गणना प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती हैं बल्कि डेटा संग्रह में अधिक सटीकता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों के साथ-साथ आम जनता से जनगणना 2027 में स्व-गणना सुविधा का उपयोग करके सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

जनगणना 2027: हरियाणा सचिवालय में राज्य के अधिकारियों के लिए स्वगणना कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य जनगणना संचालन निदेशालय के निदेशक डॉ. ललित जैन के मार्गदर्शन में आज हरियाणा के मुख्य सचिवालय तथा और नए सचिवालय में राज्य के अधिकारियों के लिए एक सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वगणना) कार्यशाला हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता हरियाणा की विशेष सचिव, रेवेन्यू, श्रीमती हेमा शर्मा ने की। सेशन के दौरान, हरियाणा जनगणना निदेशालय के अधिकारियों ने भागीदारों को जनगणना 2027 के तहत सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रोसेस के बारे में बताया और ऑफिशियल पोर्टल के जरिए स्वगणना विवरण ऑनलाइन दर्ज करने के बारे में समझाया। कार्यशाला में, राज्य के अधिकारियों ने सक्रियता से भाग लिया और मौके पर ही अपना सेल्फ-एन्यूमरेशन भी पूरा किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विभागों को जनगणना डिजिटल प्रकिया से परिचित कराना और हरियाणा में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 तक चलने वाले पहले चरण को सफलता पूर्ण पूरा करने के लिए सुविधाजनक बनाना था। अधिकारियों को डेटा सिक्योरिटी उपायों के बारे में भी बताया गया, जिसमें सारी जानकारी मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के प्रोटेक्टेड सर्वर पर स्टोर की जाती है और इसका इस्तेमाल सिर्फ. आंकड़े एकत्रित करने के लिए किया जाता है।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर संगोष्ठी में जनजागरूकता एवं निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर

चंडीगढ़। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया पर केंद्रित एक संगोष्ठी आज चंडीगढ़ सचिवालय में आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य इस प्रायः कम पहचानी जाने वाली बीमारी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा इसके स्वास्थ्य एवं सड़क सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए निवारक उपायों पर बल देना था। संगोष्ठी में स्वास्थ्य सचिव श्री मंदीप सिंह बराड़; एसएसपी ट्रैफिक श्री सुमेर प्रताप सिंह; निदेशक प्राचार्य, जीएमसीएच-32 डॉ. रवनीत कौर सहित स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग एवं चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का मौन प्रभाव–जनजागरूकता, स्क्रीनिंग एवं प्रशासनिक कार्रवाई की आवश्यकता विषय पर एक संक्षिप्त एवं जानकारीपूर्ण प्रस्तुति डॉ. संदीप बंसल, एमएस, एफएएमएस, एफआईएमएसए, प्रोफेसर एवं इंचार्ज स्लीप लैब, ओटोलैरिंजोलॉजी एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग तथा अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक (एचई), पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा दी गई। वे इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स फॉर स्लीप एपनिया के अध्यक्ष भी हैं। डॉ. बंसल ने बताया कि डरअ नींद की गुणवत्ता और दिन के समय सतर्कता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, जो विशेष रूप से वाहन चालकों एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में लगे कर्मियों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। उन्होंने प्रारंभिक पहचान, समय पर स्क्रीनिंग, उचित उपचार एवं व्यापक जनजागरूकता के महत्व पर जोर दिया। संगोष्ठी के दौरान यह भी चर्चा की गई कि निवारक उपायों के तहत सीटीयू चालकों एवं वाणिज्यिक वाहन चालकों, विशेष रूप से लंबी दूरी की बसें चलाने वालों, तथा पुलिस कर्मियों के लिए जागरूकता संगोष्ठियों एवं स्क्रीनिंग कैंपों का आयोजन किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग कर प्रकृति से जोड़ा रिश्ता, सहज आकर्षित कर रहा है युवाओं को नेचर कैंप थापली

पंजाब यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने नेचर कैंप थापली में लिया भाग

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंजाब यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने आज नेचर कैंप थापली में आयोजित ट्रैकिंग गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ट्रैकिंग पूरी करने के बाद सभी छात्र बेहद प्रसन्न, ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरपूर नजर आए। विद्यार्थियों ने कहा कि यह केवल एक सामान्य ट्रैकिंग कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह उनके लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद लाभकारी अनुभव साबित हुआ। सुबह के समय शुरू हुई इस ट्रैकिंग गतिविधि में विद्यार्थियों ने प्राकृतिक वातावरण के बीच पहाड़ी रास्तों, हरियाली से भरपूर पगडंडियों और शांत वातावरण का आनंद लिया। थापली क्षेत्र की सुंदर वादियां, ताजी हवा, पक्षियों की मधुर आवाजें और चारों ओर फैली हरियाली ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। पूरे मार्ग में विद्यार्थियों ने अनुशासन, उत्साह और टीम भावना के साथ यात्रा पूरी की।

ट्रैकिंग के बाद विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज का दिन उनके लिए यादगार बन गया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई, परीक्षाओं और रोजमर्रा की व्यस्त दिनचर्या के कारण अक्सर मन और शरीर पर तनाव बढ़ जाता है, लेकिन आज की ट्रैकिंग ने उन्हें नई ऊर्जा प्रदान की। विद्यार्थियों ने कहा कि इस गतिविधि के माध्यम से उनका शरीर सक्रिय हुआ, मन शांत हुआ और मानसिक तनाव काफी हद तक कम हुआ। एक छात्र ने कहा, यह ट्रैकिंग सिर्फ घूमने के लिए नहीं थी, बल्कि इससे हमें खुद को समझने और प्रकृति के करीब आने का अवसर मिला। जब हम पहाड़ों के बीच चले, ताजी हवा में सांस ली और प्राकृतिक सौंदर्य को महसूस किया, तब हमें भीतर से सुकून मिला।

एक अन्य छात्र ने कहा, आज हमने महसूस किया कि प्रकृति के साथ समय बिताना कितना जरूरी है। मोबाइल, इंटरनेट और भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर रहकर हमने खुद को हल्का और खुश महसूस किया। यह अनुभव हमारे लिए बेहद खास रहेगा। विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि ट्रैकिंग जैसी गतिविधियां युवाओं के लिए बहुत आवश्यक हैं, क्योंकि इससे न केवल शारीरिक फिटनेस बढ़ती है, बल्कि मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी विकास होता है। कठिन रास्तों को पार करते हुए उन्होंने धैर्य, सहयोग और लक्ष्य तक पहुंचने की प्रेरणा प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने समूहों में चलते हुए एक-दूसरे का सहयोग किया और पूरे मार्ग में स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। विद्यार्थियों ने यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी प्रकृति से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेंगे और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। आयोजकों ने बताया कि इस ट्रैकिंग कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक जीवन शैली, स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से जोड़ना था। आज के समय में युवा वर्ग पढ़ाई और तकनीकी साधनों में इतना व्यस्त हो गया है कि उन्हें प्रकृति के साथ समय बिताने का अवसर कम मिलता है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को मानसिक शांति, स्वास्थ्य लाभ और सामाजिक समन्वय प्रदान करते हैं।

आयोजकों ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों ने अनुशासन, सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा का शानदार परिचय दिया। विद्यार्थियों की मुस्कान और संतोष इस बात का प्रमाण था कि कार्यक्रम अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल रहा। नेचर कैंप थापली का शांत और सुंदर वातावरण विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। ट्रैकिंग के बाद विद्यार्थियों ने कैंप परिसर में बैठकर अपने अनुभव साझा किए, प्रकृति के बीच समय बिताया और यादगार तस्वीरें भी खिंचवाईं। कई विद्यार्थियों ने कहा कि वे भविष्य में अपने मित्रों और परिवार के साथ भी यहां दोबारा आना चाहेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक स्थानों पर ट्रैकिंग और भ्रमण जैसी गतिविधियां तनाव कम करने, मन को शांत रखने और स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती हैं। यही कारण है कि पंजाब यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने आज के इस कार्यक्रम को बेहद उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

अंत में विद्यार्थियों ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी प्रकृति से जुड़ सके, स्वस्थ रह सके और जीवन में सकारात्मकता बनाए रख सके। आज का यह ट्रैकिंग कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए केवल एक साहसिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, स्वास्थ्य लाभ और प्रकृति से जुड़ाव का अनमोल अनुभव बनकर याद रखा जाएगा।